दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik · asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 · www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 168 ■ दमण, मंगलवार 24, मार्च 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16275 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर लोकसभा को संबोधित किया

पीएम मोदी ने राष्ट्र से कोविड-19 महामारी के समय की तरह ही एकजुट बने रहने और तैयार रहने की अपील की

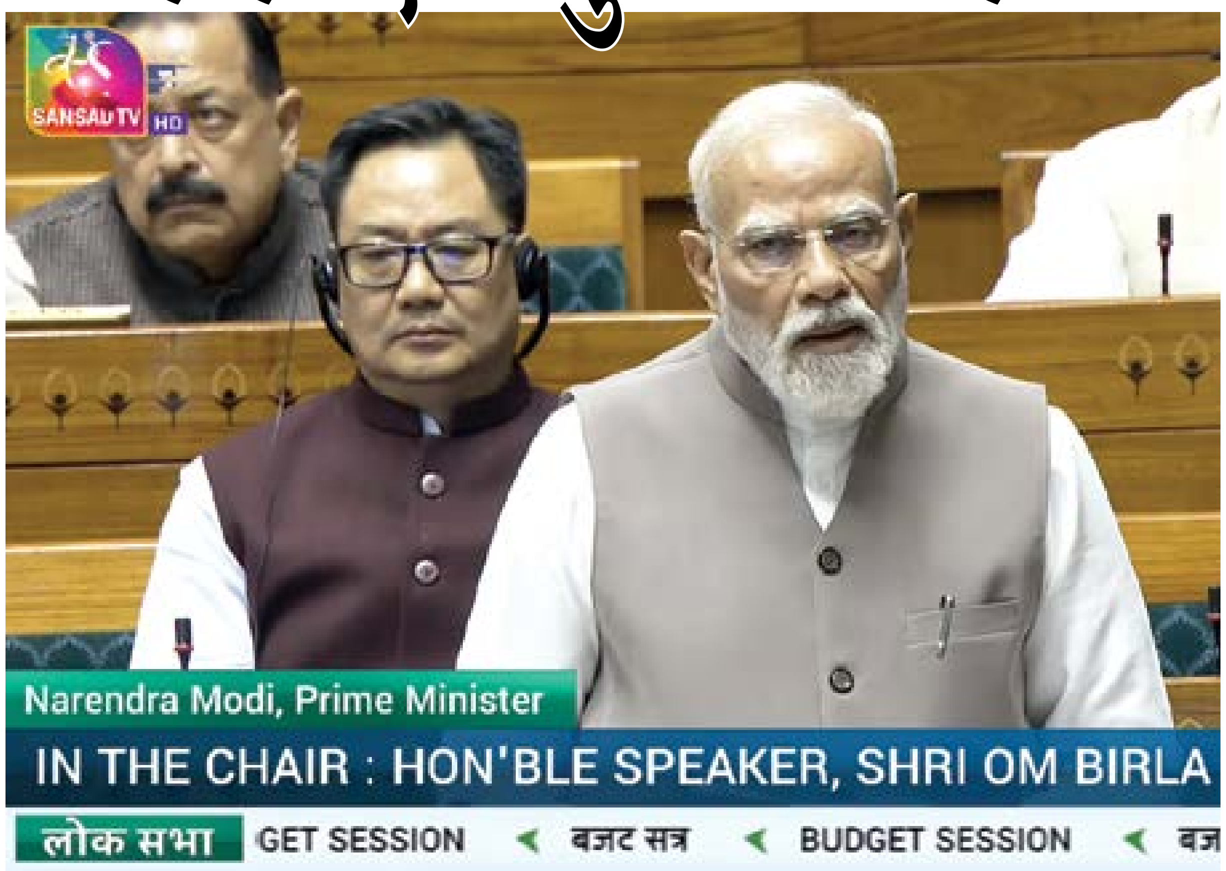

लोकसभा में पीएम मोदी के संबोधन के मुख्य अंश

- इस समय, पश्चिम एशिया के हालात चिंताजनक हैं
- बीते दो-तीन हफ्तों में श्री जयशंकर और श्री हरदीप पुरी ने सदन को इस विषय पर आवश्यक जानकारी प्रदान की है
- यह संकट अब तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी है। इसका पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन पर बहुत विपरीत असर हो रहा है, समस्त विश्व सभी पक्षों से इस संकट के शीघ्र समाधान का आग्रह कर रहा है
- यह क्षेत्र हमारे लिए एक और कारण से अहम है, क्योंकि लगभग एक करोड़ भारतीय खाड़ी देशों में रहते हैं और वहां काम करते हैं
- इन समुद्रों में चलने वाले वाणिज्यिक जहाजों में भारतीय चालक दल के सदस्यों की संख्या भी बहुत अधिक है
- ऐसे अलग-अलग कारणों के चलते, भारत की चिंताएं स्वाभाविक रूप से अधिक हैं। यह आवश्यक है कि इस संकट पर भारत की संसद की सर्वसम्मत और एकजुट आवाज दुनिया तक पहुंचे
- भारत के युद्धग्रस्त और युद्ध से प्रभावित देशों के साथ व्यापक व्यापारिक संबंध हैं, जिस क्षेत्र में युद्ध हो रहा है, वह दुनिया के अन्य देशों के साथ हमारे व्यापार का भी एक महत्वपूर्ण रास्ता है
- भारत में कच्चा तेल, गैस और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुओं की बड़ी मात्रा होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से आती है, जबसे युद्ध आरंभ हुआ होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही अत्यधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है, इसके बावजूद, हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति पर अधिक प्रभाव न पड़े और देश के आम परिवारों को कम से कम असुविधा हो, यही हमारा फोकस रहा है
- भारत हमेशा से मानवता के हित में शांति की आवाज उठाता रहा है। बातचीत और कूटनीति ही इस समस्या का एकमात्र समाधान है, हमारे प्रयास तनाव को कम करने और इस संघर्ष को समाप्त करने पर केंद्रित हैं
- इस युद्ध में किसी के भी जीवन पर संकट मानवता के हित में नहीं है, इसलिए भारत का प्रयास सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करना है

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज लोकसभा को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इससे भारत के समक्ष उत्पन्न व्यापक चुनौतियों के विषय पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह संकट तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी है, जिसके वैश्विक अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर गंभीर दुष्परिणाम हुए हैं। प्रधानमंत्री ने इसके समाधान की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। श्री मोदी ने स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा, पूरी दुनिया सभी पक्षों से इस संकट के शीघ्र समाधान का आग्रह कर रही है। भारत के समक्ष विद्यमान चुनौतियों की प्रकृति पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध ने अभूतपूर्व आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय दबाव पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि युद्धग्रस्त और युद्ध से प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक व्यापारिक संबंध हैं, संघर्ष क्षेत्र महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों पर स्थित है और भारत की कच्चे तेल और गैस की आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है। खाड़ी देशों में रहने और काम करने वाले लगभग एक करोड़ भारतीयों और उन जलक्षेत्रों में वाणिज्यिक जहाजों पर सवार बड़ी संख्या में भारतीय चालक दल के सदस्यों की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, स्वाभाविक रूप से भारत की चिंताएं कहीं अधिक हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि इस संकट पर भारत की संसद से एकजुट और सर्वसम्मत आवाज विश्व के सामने रखी जाए। प्रधानमंत्री ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए सरकार की त्वरित कार्रवाई का विवरण देते हुए सदन को सूचित किया कि युद्ध आरंभ होने के बाद से प्रभावित देशों में प्रत्येक भारतीय को आवश्यक सहायता प्रदान की गई है। श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से दो चरण में अधिकांश पश्चिम एशियाई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से बात की है, जिन्होंने भारतीयों की सुरक्षा के संबंध में पूर्ण आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, घायलों को बेहतर चिकित्सा उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है और ऐसी कठिन परिस्थितियों में शोक संतप्त परिवारों को आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। प्रधानमंत्री ने विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए सक्रिय किए गए कांसुलर और संस्थागत सहायता ढांचे का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने बताया कि प्रभावित देशों में स्थित सभी भारतीय दूतावास निरंतर सहायता प्रदान कर रहे हैं, नियमित रूप से सलाह जारी कर रहे हैं, और भारत तथा अन्य प्रभावित देशों में चौबीसों घंटे चलने वाले नियंत्रण कक्ष और आपातकालीन हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सक्रिय लोकसम्पर्क पर बल देते हुए कहा, इन तंत्रों के माध्यम से सभी प्रभावित लोगों को, चाहे वे भारतीय श्रमिक हों या पर्यटक, तुरंत जानकारी प्रदान की जा रही है। प्रधानमंत्री ने निकासी अभियान की व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए सदन को सूचित किया कि युद्ध आरंभ होने के बाद से 3,75,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित रूप से भारत लौट चुके हैं, जिनमें अकेले ईरान से लगभग 1,000 भारतीय शामिल हैं, जिनमें से 700 से अधिक युवा मेडिकल छात्र हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सीबीएसई ने खाड़ी देशों में स्थित भारतीय स्कूलों में निर्धारित कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी हैं और शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। सरकार के दृष्टिकोण का सारांश प्रस्तुत करते हुए श्री मोदी ने कहा, सरकार संवेदनशील, सतर्क और हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा आपूर्ति के गंभीर मुद्दे पर स्वीकार किया कि बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, गैस, उर्वरक और अन्य आवश्यक वस्तुएं होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत पहुंचती हैं, और युद्ध के बाद से जलडमरूमध्य से होकर माल ढुलाई करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सरकार का मुख्य ध्यान आम परिवारों को कठिनाइयों से बचाने पर रहा है। एलपीजी के घरेलू उपयोग को प्राथमिकता देने और इसके घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने जैसे उपायों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले एक दशक में अपनाई गई ऊर्जा विविधीकरण रणनीति विद्यमान संकट में कितनी कारगर साबित हुई है। उन्होंने सदन को बताया कि भारत ने पिछले 11 वर्षों में ऊर्जा आयात के अपने स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 देशों तक कर दिया है, जिससे किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम हो गई है। इस दूरदर्शितापूर्ण दृष्टिकोण पर बल देते हुए श्री मोदी ने कहा, आज की परिस्थितियों में, ऊर्जा सुरक्षा के संबंध में पिछले एक दशक में उठाए गए कदम और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने रणनीतिक भंडार के विषय पर कहा कि भारत ने संकट के ऐसे ही समय के लिए कच्चे तेल के भंडारण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने सदन को सूचित किया कि भारत के पास आज 53 लाख मीट्रिक टन

(समाचार का शेष पेज 3 पर)

सांसद उमेश पटेल ने दमणगंगा नदी और कोलक नदी में फैले प्रदूषण का मुद्दा लोकसभा में उठाया : पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने किया स्वीकार-वापी उद्योगों से फैल रहा है प्रदूषण, हो रही है कार्रवाई

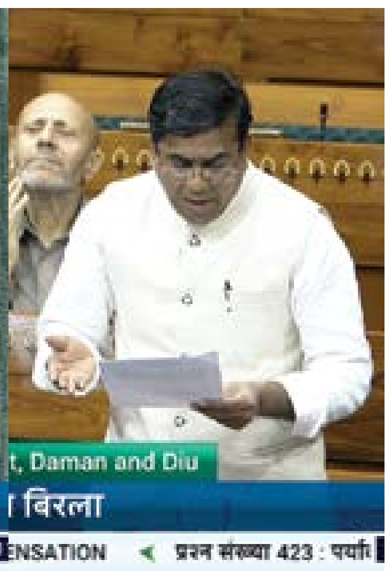

- सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा में सरकार से पूछा था कि एनजीटी के 2019 के आदेश की कितनी हुई अनुपालना, जमीनी स्तर पर क्या हुई ठोस कार्रवाई?
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने लोकसभा में बताया कि वापी में 1890 इंस्पेक्शन किये, कई उद्योगों को जारी किया गया नोटिस, सील और दंड की हुई कार्रवाई
- मोदी सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयासरत है : पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 23 मार्च। दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने दमण के तीन दशक से ज्यादा पुराने नदियों के प्रदूषण संकट पर लोकसभा में आवाज उठाकर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह से इस दिशा में हुई कार्रवाई पर जवाब मांगा। सांसद उमेश पटेल ने दमण से जुडे अत्यंत गंभीर पर्यावरणीय संकट का मुद्दा मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र दमण में वापी (गुजरात) के केमिकल एवं अन्य उद्योगों द्वारा छोड़े जा रहे जहरीले गैस और प्रदूषित जल के कारण क्षेत्र की कोलक नदी, बिलखाड़ी और दमणगंगा नदी की स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो चुकी है। सांसद ने कहा कि ये नदियाँ आज जीवनदायिनी नहीं, बल्कि जहरीली नालियों में परिवर्तित हो चुकी हैं, जिसका सीधा असर समुद्री पर्यावरण, मछुआरा समुदाय की आजीविका तथा आम जनता के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। उन्होंने कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के बढ़ते मामलों पर भी चिंता व्यक्त की। सांसद उमेश पटेल ने सदन में स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें मंत्रालय द्वारा दिए गए उत्तर से संतुष्टि नहीं हुई, क्योंकि कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए। जिम्मेदारी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (SPCB) पर डाल दी गई, किसी भी कार्य के लिए स्पष्ट समय-सीमा नहीं बताई गई, दोषी अधिकारियों या उद्योगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का उल्लेख नहीं किया गया और जमीनी स्तर की वास्तविक स्थिति का कोई उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने वर्ष 2019 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) द्वारा दमणगंगा नदी के प्रदूषण पर दिए गए निर्देशों, उनके अनुपालन तथा GPCB एवं CPCB की संयुक्त जांच रिपोर्टों के निष्कर्षों पर सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा। साथ ही उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि दमणगंगा, कोलक और बिलखाड़ी नदियों के पुनर्जीवन हेतु अब तक जमीनी स्तर पर कितना कार्य हुआ है और यदि नहीं हुआ तो उसके लिए जिम्मेदार कौन है? उन्होंने नदी पुनर्जीवन बोर्ड के गठन में हो रही देरी पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि इसका गठन कब तक किया जाएगा। सवालों का जवाब देते हुए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने सदन को अवगत कराया कि सांसद उमेश पटेल द्वारा इस विषय पर प्रश्नकाल, नियम 377 एवं अन्य माध्यमों से कई बार सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सांसद ने व्यक्तिगत रूप से उनसे मुलाकात कर अपनी चिंताएँ साझा की हैं, जो पूरी तरह से उचित और गंभीर हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। औद्योगीकरण और विकास के चलते कंपनियों का कचरा नदियों में आ रहा है। उन्होंने बताया कि रिवर मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया गया है, जो इस पर संज्ञान ले रही है। गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा वापी के औद्योगिक विस्तारों में 1890 इंस्पेक्शन किये गये और कई कंपनियों को नोटिस भी जारी की गई है। साथ ही कंपनियों को सील करने के साथ दंड भी वसूला गया है। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव पीसीसी ने भी दमण और दादरा नगर हवेली में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर कई जरूरी कदम उठाए है। प्रदूषण को कम करने के लिए हम लगातार प्रयासरत है।

जहांगीरपुरी में सफाई व्यवस्था बदहाल, लोगों में नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहांगीरपुरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से वार्ड संख्या 18 के आई और जे ब्लॉक में गंदगी का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम एल भास्कर ने बताया कि इलाके में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं और नालियों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण जलभराव तथा कीचड़ की समस्या बनी रहती है। इसके चलते लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है और उन्हें नारकीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गलियों में जमा गंदा पानी बदबू फैलाने के साथ-साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रहा है। वहीं, आवागमन में भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एम एल भास्कर ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सफाई कर्मचारियों द्वारा नियमित सफाई नहीं की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और क्षेत्रीय निगम पार्षद पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि क्षेत्र में तत्काल सफाई अभियान चलाकर नालियों की सफाई कराई जाए और कूड़े के ढेरों को हटाया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

सिग्नेचर ब्रिज हादसा : खड़े ट्रक से टकराई बाइक, नाबालिग की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर क्षेत्र में सिग्नेचर ब्रिज के पास सोमवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 17 वर्षीय नाबालिग की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गए। हादसा रात करीब 2:15 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, तीन युवक एक ही बाइक पर सवार होकर कालकाजी मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सिग्नेचर ब्रिज के पास खड़े एक ट्रक में पीछे से बाइक टकरा गई, जिससे गंभीर दुर्घटना हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक घायलों को सिविल लाइंस स्थित सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर ले जाया जा चुका था। अस्पताल में डॉक्टरों ने 17 वर्षीय निखिल को मृत घोषित कर दिया, जबकि 16 वर्षीय इंद्रजीत को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। एक अन्य युवक को भी हल्की चोटें आई हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे के समय बाइक नाबालिग निखिल चला रहा था और तीनों बिना सुरक्षा नियमों का पालन किए एक ही बाइक पर सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

छावला में जिम पर फायरिंग, गैंगस्टर कनेक्शन की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के छावला क्षेत्र में एक जिम पर अज्ञात बदमाशों द्वारा गोलीबारी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के समय जिम बंद होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ, हालांकि शटर और कांच का दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार, वारदात का पता तब चला जब सुबह कर्मचारी जिम खोलने पहुंचे। उन्होंने शटर पर गोलियों के निशान और अंदर टूटे कांच को देखा, जिसके बाद जिम मालिक और पुलिस को सूचना दी गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने कम से कम तीन राउंड फायरिंग की। पुलिस को शक है कि इस घटना के पीछे संगठित आपराधिक गिरोह का हाथ हो सकता है। बताया जा रहा है कि जिम मालिक के एक करीबी को हाल ही में रंगदारी की धमकी मिली थी। सूत्रों के मुताबिक, फोन करने वाले ने खुद को हैरी बाक्सर बताया, जिसे कुख्यात गिरोह से जुड़ा माना जाता है। इसी आधार पर पुलिस गैंगस्टर कनेक्शन की दिशा में जांच कर रही है। छावला थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपितों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को शहीद दिवस के अवसर पर देश के महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने सोमवार को दिल्ली भाजपा कार्यालय में आयोजित एक समारोह में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ भारत के इन वीर सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित किया। सचदेवा ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वे अमर नायक हैं, जिन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए हंसते-हंसते प्राण न्यौछावर कर दिए। इन तीनों क्रांतिकारियों ने 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों से ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी और 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में उन्हें फांसी दी गई, जिसे आज 'शहीद दिवस' के रूप में मनाते हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उनका बलिदान केवल एक राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि देश के युवाओं के लिए देशभक्ति की एक मशाल थी। आज भी उनका साहस और वैचारिक स्पष्टता करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करती है। इन महान सपूतों का बलिदान इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। इसके अलावा दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक सतीश उपाध्याय ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मालवीय नगर स्थित भगत सिंह पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

एमसीडी ने दया बस्ती रेलवे स्टेशन से हटाया 250 मीट्रिक टन लेगेसी कचरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने संकरे रास्तों वाले दया बस्ती रेलवे स्टेशन स्थल पर बड़े पैमाने पर लेगेसी कचरा हटाने का कार्य संपन्न किया। नगर निगम ने गंभीर लॉजिस्टिक चुनौतियों से निपटने के लिए बीआरएन रेलवे वैगनों का रणनीतिक रूप से उपयोग कर कचरे को उठाने और उसके परिवहन की व्यवस्था की। इस पहल ने एमसीडी को घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र में कचरा हटाने के कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित करने में सक्षम बनाया। निगम ने निर्धारित रेलवे लाइन ब्लॉकेज के दौरान वरिष्ठ जोनल अधिकारियों की उपस्थिति में कूड़े का लोडिंग कार्य किया। कुल 10 बीआरएन वैगनों को सफलतापूर्वक लोड किया गया जिससे दया बस्ती स्थल से लगभग 250 मीट्रिक टन लेगेसी कचरा हटाया गया। करोल बाग जोन के उपायुक्त दिलखुश मीणा ने कहा कि यह पहल दिल्ली में अपनी तरह का पहला मॉडल है, जो लेगेसी कचरे के निस्तारण के लिए रेलवे लॉजिस्टिक्स के प्रभावी उपयोग को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर जारी रहेंगे।

दिल्ली में जल संकट : दो दिन प्रभावित रहेगी आपूर्ति, जल बोर्ड की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में 23 और 24 मार्च को पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड ने वार्षिक रखरखाव कार्य के चलते यह अस्थायी व्यवधान बताया है और लोगों से पहले से पानी संग्रह करने की अपील की है।

जल बोर्ड के अनुसार, अंडरग्राउंड जलाशयों और बूस्टर पंपिंग स्टेशनों की सफाई के कारण आपूर्ति प्रभावित होगी। 23 मार्च को शालीमार बाग के बीआई और बीडब्ल्यू ब्लॉक, आजादपुर मंडी, सेक्टर 18 व 19 और बदली गांव में पानी नहीं आएगा। वहीं 24 मार्च को शालीमार बाग के यू एवं वी ब्लॉक, पीतमपुरा के एसडी ब्लॉक, आजादपुर मंडी, सेक्टर 18 व 19 और बदली गांव में जलापूर्ति बाधित रहेगी।

जल बोर्ड ने कहा है कि यह कार्य नियमित रखरखाव का हिस्सा है, जिससे भविष्य में बेहतर जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। असुविधा के लिए खेद जताते हुए विभाग ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। आपात स्थिति में जल टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए केंद्रीय नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर 1916 सहित विभिन्न जल आपात केंद्रों पर संपर्क किया जा सकता है।

'खीर सेरेमनी' के साथ बजट सत्र की शुरुआत, मुख्यमंत्री ने 'विकसित और हरित दिल्ली' के संकल्प को दोहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को 'खीर सेरेमनी' के साथ शुरू हुआ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली' के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह बजट राजधानी के लगभग 3 करोड़ दिल्लीवासियों के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि 'खीर सेरेमनी' न केवल बजट प्रक्रिया की पारंपरिक शुरुआत है, बल्कि यह समृद्धि, शुभता और जनकल्याण के संकल्प का प्रतीक भी है, जो आगामी बजट में दिखाई देगा।

'खीर सेरेमनी' में मुख्यमंत्री के साथ किसान, स्कूल के विद्यार्थी, शिक्षक, डॉक्टरों, किन्नर समाज के लोग, महिला ड्राइवर, मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। किसानों ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा सहित विधायक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का यह दूसरा बजट दिल्ली के विकास की गति को और तेज करने वाला होगा। यह बजट न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगा, बल्कि दिल्लीवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का माध्यम भी बनेगा। यह बजट एक ऐसे दिल्ली के निर्माण की दिशा में अग्रसर है, जहां नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, उत्कृष्ट शिक्षा, सुदृढ़ आधारभूत संरचना और स्वच्छ एवं हरित वातावरण में जीवन यापन कर सकें। इस बजट में छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएं, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण और हरित परिवेश को प्राथमिकता दी जा रही है। रेखा गुप्ता ने कहा कि 'विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली' केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार का स्पष्ट विजन है, जिसके माध्यम से एक सकारात्मक, सुरक्षित और समृद्ध वातावरण तैयार किया जाएगा, जहां आमजन सुख और संतोष के साथ जीवन व्यतीत कर सकें। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद और विश्वास से ही सरकार निरंतर कार्य कर रही है। सरकार 24×7 जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और हर दिन दिल्ली को और बेहतर बनाने के लिए कार्य करती रहेगी।

दिल्ली विधानसभा के बाहर 'आप' विधायकों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने सोमवार को विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पार्टी के विधायकों के निलंबन के विरोध में किया गया।

'आप' विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर एक प्रतीकात्मक मार्च निकाला और अपनी बात रखने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग की थी। इस पर आतिशी ने कहा कि जनता द्वारा चुने हुए विधायकों को विधानसभा तक जाने से रोका जा रहा है, सड़क पर बैरिकेड लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है।

उन्होंने दावा किया कि विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने 'आप' के विधायकों के निलंबन को लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर हमला बताया।

आतिशी ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है, लेकिन विपक्ष की आवाज को कुचलने के लिए चुने हुए विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार बिजली, पानी अस्पतालों की बदहाली और हालिया अग्निकांड पर बात करने से भाग रही है।

उल्लेखनीय है कि जनवरी में शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में 'आप' के चार विधायकों को निलंबित कर दिया गया था। उनका निलंबन अभी भी जारी है क्योंकि सदन के पिछले सत्र का अभी सत्रावकाश नहीं किया गया है।

बजट सत्र बहिष्कार पर प्रवेश वर्मा का हमला, विपक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन विपक्ष द्वारा बहिष्कार किए जाने पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने विपक्ष के इस कदम को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए आरोप लगाया कि वह पीएसी और सीएजी की रिपोर्टों से बचने के लिए सदन से दूर भाग रहा है। प्रेसवार्ता में प्रवेश वर्मा ने कहा कि बजट सत्र के दौरान सरकार पिछले एक वर्ष के कार्यों का लेखा-जोखा और आगामी योजनाओं की दिशा प्रस्तुत करती है, लेकिन विपक्ष इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से बच रहा है। उनका कहना था कि रिपोर्टों में सामने आने वाली बातों से घबराकर विपक्ष ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपनी कथित गलतियों और अनियमितताओं का सामना करने से बच रहा है। प्रवेश वर्मा के अनुसार, विपक्ष ने सदन में अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय बाहर प्रदर्शन कर जनता के प्रति अपनी जवाबदेही से दूरी बनाई है। मंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली में अभी कई विकास कार्य किए जाने बाकी हैं और सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में योजनाओं के लिए धन आवंटित कर रही है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वह सदन की कार्यवाही में भाग लेकर मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाए। प्रवेश वर्मा ने पूर्व सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब विपक्ष सत्ता में था, तब भाजपा के सदस्यों को अक्सर सदन से बाहर कर दिया जाता था। उन्होंने कहा कि अब वही लोग नैतिकता की बात कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। अंत में उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे सदन में उपस्थित रहकर जनहित के मुद्दों पर चर्चा करें और जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

आर्थिक सर्वेक्षण पर कांग्रेस का हमला, देवेंद्र यादव ने उठाए कई सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने वर्ष 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर दिल्ली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पुराने आंकड़ों को नए रूप में पेश कर वास्तविक स्थिति छिपाने का प्रयास किया है और राजधानी की आर्थिक, परिवहन, जल तथा स्वास्थ्य व्यवस्थाएं लगातार कमजोर हो रही हैं।

देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि सरकार ने पिछले वर्ष 2024-25 का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत नहीं किया था, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पेश किए गए सर्वेक्षण में कई महत्वपूर्ण आंकड़े गायब हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि पुराने आंकड़ों को ही संशोधित कर प्रस्तुत कर दिया गया है। शिक्षा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 75 विद्यालयों के नाम बदलकर नए नाम रखे गए, लेकिन एक भी नया विद्यालय नहीं खोला गया।

आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 में 9.63 प्रतिशत रही वृद्धि दर घटकर 2024-25 में 6.23 प्रतिशत रह गई है। वहीं वर्ष 2025-26 में 9.42 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि भी पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल की तुलना में काफी कम है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में कई बार विकास दर दो अंकों से नीचे रही है, जो आर्थिक गति में गिरावट का संकेत है।

बजट प्रबंधन को लेकर भी उन्होंने सरकार की आलोचना की। उनके अनुसार, एक लाख करोड़ रुपये के बजट के बावजूद पूंजीगत घाटा और कुल घाटा बढ़ रहा है तथा ऋण पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं के लिए आवंटित बजट का बड़ा हिस्सा खर्च नहीं हो पाया, जो कार्यान्वयन की कमजोरी को दर्शाता है।

परिवहन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए देवेंद्र यादव ने कहा कि बसों की संख्या में भारी कमी आई है और यात्रियों की संख्या भी घटी है, जिससे सार्वजनिक परिवहन प्रणाली कमजोर हुई है। उन्होंने इसे आम जनता के लिए चिंता का विषय बताया।

जल संकट को लेकर उन्होंने कहा कि राजधानी में पानी की भारी कमी है और उपलब्ध जल का बड़ा हिस्सा लीकेज तथा वितरण की खामियों में नष्ट हो रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी के बीच यह समस्या और गंभीर हो सकती है।

स्वास्थ्य सेवाओं पर भी उन्होंने सरकार को घेरा और आरोप लगाया कि कई स्वास्थ्य केंद्रों को बंद या परिवर्तित कर दिया गया है, जिससे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ा है। उन्होंने अस्पतालों में उपलब्ध बेड की संख्या में कमी को भी चिंता का विषय बताया। देवेंद्र यादव ने कहा कि सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर विकास कार्यों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। उन्होंने सरकार से जवाबदेही तय करने और नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग की।

कांग्रेस का तंज- पिछले बजट की आधी राशि भी खर्च नहीं कर सकी रेखा सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बजट सत्र से पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कछुआ की चाल की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पिछले बजट में की गई घोषणाओं की वास्तविक स्थिति को सामने रखते हुए कहा कि दिल्ली के विकास के लिए योजनाओं, परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए निर्धारित 57,850 करोड़ रुपये के बजट में से आधे के बराबर लगभग 43 प्रतिशत राशि खर्च ही नहीं की जा सकी। उन्होंने कहा कि इससे रेखा गुप्ता सरकार की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक क्षमता पर गंभीर सवाल खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद, पिछले बजट भाषण में घोषित योजनाओं के लिए दिल्ली को केंद्र सरकार से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलना चिंताजनक रहा है। देवेंद्र यादव ने कहा की इस बार के बजट में भी बीजेपी की दिल्ली सरकार के द्वारा लोक लुहावने वायदे किए जाएँगे ताकि जनता इनकी पिछले एक वर्ष की नाकामियों को भूल जाएं। उन्होंने बताया कि अप्रैल, 2025 से फरवरी 2026 तक के सेक्टर-वार व्यय के अनुसार योजनाओं एवं परियोजनाओं पर केवल 33,234 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए, जो संशोधित बजट का मात्र 57.45 प्रतिशत है। इससे साफ हो गया है कि सरकार अपने ही घोषित बजट को धरातल पर लागू करने में चौतरफा विफल रही।

वेलनेस टूरिज्म में दुनिया में अग्रणी है भारत: गजेंद्र सिंह शेखावत

–'पर्यटन, सामुदायिक विकास और आजीवन शिक्षा : समकालीन भारत में नीतिगत परिप्रेक्ष्य और अवसर' विषय पर डीयू में हुआ विशेष कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा की वेलनेस टूरिज्म में भारत दुनिया में अग्रणी है। पर्यटन (टूरिज्म) में अब लोग केवल 'डेस्टिनेशन' नहीं, बल्कि 'एक्सपीरियंस' को महत्व देने लगे हैं, जो पर्यटन के बदलते स्वरूप को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अभी भारत की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 5त्न के करीब है जिसे वर्ष 2047 तक 10त्न तक ले जाना है। शेखावत दिल्ली विश्वविद्यालय के सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्य मंत्री डॉ सत्यपाल सिंह लोकसभा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. सोरेन एहलर्स और कार्यक्रम के कन्वीनर डीसीईई विभाग के अध्यक्ष प्रो. कुमार आशुतोष थे।

'पर्यटन, सामुदायिक विकास और आजीवन शिक्षा: समकालीन भारत में नीतिगत परिप्रेक्ष्य और अवसर' विषय पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में देश-दुनिया के पर्यटन परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'मास्टर इन टूरिज्म' जैसे पाठ्यक्रम की शुरुआत समयानुकूल और दूरदर्शी कदम है, जो युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करेगा। उन्होंने पर्यटन को विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताते हुए कहा कि वैश्विक जीडीपी में इसका योगदान 10प्र. से अधिक है। भारत में पिछले वर्ष लगभग 294 करोड़ से अधिक पर्यटन यात्राओं का आंकड़ा इस क्षेत्र की अपार संभावनाओं को दर्शाता है। उन्होंने यूएनडब्ल्यूटीओ के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की हिस्सेदारी अभी भी 1प्र. से कम है, लेकिन बीते वर्षों में भारत ने तेजी से प्रगति करते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राकृतिक विविधता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक परंपरा इसे एक विशिष्ट पर्यटन गंतव्य बनाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि 'लर्निंग एक डिग्री प्राप्त करने के साथ ही समाप्त नहीं हो जाती' शिक्षा आजीवन प्रक्रिया है। कुलपति ने युवाओं को निरंतर सीखने और स्वयं को लगातार विकसित करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. योगेश सिंह ने पर्यटन को आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि वर्तमान में भारत के जीडीपी में पर्यटन का कुल योगदान लगभग 5.22प्र. है, जिसमें 2.72प्र. प्रत्यक्ष योगदान शामिल है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथन 'टेररिज्म डिवाइड्स, बट टूरिज्म यूनाईट्स' का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्यटन न केवल आर्थिक प्रगति को गति देता है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को भी मजबूत करता है।

केजरीवाल ने शहीद दिवस पर भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शहीद दिवस पर देश के महान क्रांतिकारियों- भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। केजरीवाल ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इन वीर सपूतों का बलिदान, देशभक्ति और साहस सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। इन महान क्रांतिकारियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर देश उनके सपनों का भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1931 में ब्रिटिश हुकूमत ने भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु को फांसी दी थी। इन तीनों क्रांतिकारियों ने भारत की आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

दिल्ली आर्थिक सर्वे 2026 पेश, विकास दर 9.42प्र. का अनुमान; प्रति व्यक्ति आय 5.31 लाख पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विधानसभा में वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। सर्वेक्षण में राजधानी की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताते हुए 9.42 प्रतिशत विकास दर का अनुमान जताया गया है। साथ ही प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 5,31,610 रुपये होने की संभावना व्यक्त की गई है, जो राष्ट्रीय औसत से करीब ढाई गुना अधिक है।

आर्थिक मजबूती और राजस्व अधिशेष

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2025-26 में दिल्ली का सकल राज्य घरेलू उत्पाद लगभग 13,27,055 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 9.42 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही 9,661.31 करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया गया है, जो जीएसडीपी का 0.73 प्रतिशत है। कर संग्रह में भी 15.54 प्रतिशत की वृद्धि संभावित है।

सेवा क्षेत्र का वर्चस्व कायम

दिल्ली की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक 86.32 प्रतिशत बनी हुई है। सरकार का लक्ष्य राजधानी को विश्वस्तरीय, समावेशी और रहने योग्य शहर के रूप में विकसित करना है। यह सर्वेक्षण का 17वां संस्करण है, जो आर्थिक दिशा और प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है।

बजट में बढ़ा आवंटन, योजनाओं पर जोर

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जिसमें से 59,300 करोड़ रुपये विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 20,300 करोड़ रुपये अधिक है। बजट में परिवहन को 20 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा को 17 प्रतिशत, जल और स्वच्छता को 15 प्रतिशत, शिक्षा को 13 प्रतिशत और स्वास्थ्य को 12 प्रतिशत हिस्सा दिया गया है।

परिवहन और ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार

राजधानी में सार्वजनिक परिवहन के साधनों को मजबूत किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 2150 से बढ़कर 4338 हो गई है। वहीं दिल्ली मेट्रो की औसत दैनिक सवारी लगभग 67 लाख तक पहुंच गई है। बिजली की अधिकतम मांग भी बढ़कर 8442 मेगावाट हो गई है, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 509 मेगावाट दर्ज की गई है।

पर्यावरण और जल प्रबंधन में सुधार

दिल्ली में 'अच्छे वायु गुणवत्ता वाले दिनों' की संख्या 2018 के 159 दिनों से बढ़कर 2025 में 200 दिन हो गई है। जल आपूर्ति और स्वच्छता के क्षेत्र में 93.5 प्रतिशत घरों तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाया जा रहा है। लगभग 1000 एमजीडी जल आपूर्ति, 15,700 किलोमीटर पाइपलाइन और 11,040 किलोमीटर सीवर नेटवर्क के जरिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है।

शिक्षा और स्वास्थ्य में प्रगति

राजधानी में 1270 सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालय संचालित हैं, जहां 10वीं में 97.7 प्रतिशत और 12वीं में 98.3 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 40 बहु-विशेषज्ञ अस्पताल, 370 आरोग्य केंद्र और 98 डिस्पेंसरी कार्यरत हैं। अस्पतालों में बेड की संख्या भी बढ़कर 15,659 हो गई है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से राहत

सरकार की सामाजिक योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिल रहा है। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को

मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। वर्ष 2025-26 में 4.40 लाख वरिष्ठ नागरिक, 4.09 लाख महिलाएं और 1.40 लाख दिव्यांगजन इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।

जन वितरण और आवास सुविधाएं

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 1953 उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से 72.21 लाख लाभार्थियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। अन्न योजना के तहत पात्र परिवारों को मुफ्त राशन और चीनी वितरित की जा रही है। इसके अलावा 73 अटल कैंटीन संचालित हैं और 20 किलोलीटर तक मुफ्त पानी योजना से लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

विकास की स्पष्ट दिशा

आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि राजधानी में बुनियादी ढांचे, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास को संतुलित रूप से आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। आने वाले वर्षों में दिल्ली को अधिक सक्षम और समावेशी महानगर बनाने की दिशा में यह सर्वेक्षण महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित होगा।

तमिलनाडु में टमाटरों की कीमतों में भारी गिरावट, किसानों ने तुड़ाई की बंद

थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति के चलते कीमतों में आई तेज गिरावट

चेन्नई, ।

तमिलनाडु के कई जिलों में टमाटर उत्पादक गंभीर संकट में हैं क्योंकि बाजार की कीमतों में भारी गिरावट आई है। इसके चलते वे अपनी लागत तक वसूल नहीं कर पा रहे हैं। कई इलाकों में किसानों ने कटाई बंद कर दी है और कम दाम मिलने के कारण पूरी तरह तैयार फसल को खेतों में ही छोड़ दिया है। कीमतों में इस अचानक गिरावट का कारण कई उत्पादन क्षेत्रों से भारी मात्रा में आपूर्ति होना बताया जा रहा है, जिससे थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति हो गई है। इसके चलते कम समय में ही कीमतों में तेज गिरावट आई, जिससे किसान हैरान रह गए और फसल के चरम सीजन में उनकी अपेक्षित आय प्रभावित हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्यापारियों द्वारा पिछले हफ्तों की तुलना में काफी कम दाम दिए जा रहे हैं, जिन किसानों ने खेती में भारी निवेश किया था, वे अब संचालन लागत संभालने में संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि बाजार अतिरिक्त आपूर्ति को समाहित नहीं कर पा रहा है। बढ़ती मजदूरी लागत ने इस संकट को और बढ़ा दिया है। किसानों का कहना है कि कटाई और परिवहन की लागत ज्यादा होने से मौजूदा कीमतें खर्च को भी पूरा नहीं कर पा रही हैं। इसी वजह से नुकसान कम करने के लिए कटाई रोकने का चलन बढ़ रहा है। डिंडीगुल के किसानों ने बताया कि 14 किलोग्राम के एक टमाटर बॉक्स की कीमत घटकर 100 से 150 रुपए रह गई है, जबकि कुछ हफ्ते पहले यह 400 से 600 रुपए थी। वहीं, मजदूरी लागत करीब 400 रुपये प्रतिदिन है।रिपोर्ट के मुताबिक गिरती कीमतों और बढ़ती लागत के संयुक्त प्रभाव से कई किसानों ने नुकसान से बचने के लिए तोड़ाई बंद कर दी है। कई किसानों ने स्थिर बाजार की उम्मीद में खेती का विस्तार किया था लेकिन अब वे बढ़ते आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। कटाई की लागत लगभग 80 रुपए प्रति बॉक्स आंकी जा रही है लेकिन मौजूदा बाजार मूल्य बुनियादी खर्च भी नहीं निकाल पा रहा, जिससे किसानों का नुकसान और बढ़ रहा है।धर्मपुरी जिले में कीमतों में हल्की सुधार के संकेत मिले हैं, जहां हाल की बारिश के बाद आपूर्ति कम होने से कीमतें 13 से 15 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंची हैं। हालांकि, किसानों का कहना है कि बाजार अभी भी अस्थिर और अनिश्चित बना हुआ है। तिरुचिरापल्ली जिले के मरुंगापुरी क्षेत्र में भी स्थिति ऐसी ही है, जहां

किसानों ने कटाई रोक दी है। तोड़ाई और परिवहन की लागत करीब 3,000 रुपये प्रति एकड़ होने के कारण मौजूदा कीमतों पर काम जारी रखना संभव नहीं है।विशेषज्ञों ने दीर्घकालिक समाधान की जरुरत पर जोर देते हुए बेहतर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं और न्यूनतम समर्थन तंत्र जैसे उपायों की जरूरत बताई है, ताकि किसानों को बार-बार होने वाली कीमत गिरावट से बचाया जा सके और उन्हें स्थिर आय तय हो सके।

जैकब एंड कंपनी ने पेश की हीरों से जड़ी 30 करोड़ की मास्टरपीस घड़ी

एंजेल कट हीरों और डबल फ्लाइंग टूरबिलन तकनीक से दमकती है यह दुर्लभ घड़ी

नई दिल्ली ।

लग्जरी वॉच मेकर जैकब एंड कंपनी ने अपनी नई मास्टरपीस घड़ी पेश की है, जो कीमत और चमक दोनों में ही अपने आप में एक रिकॉर्ड स्थापित करती है। लगभग 30 करोड़ रुपये की इस घड़ी की सबसे बड़ी खासियत है इसमें इस्तेमाल किए गए एंजेल कट हीरे, जो इसे बेहद विशिष्ट और भव्य बनाते हैं। सामान्य हीरों की तुलना में इसमें 37 फेसेट्स (पहलु) दिए गए हैं, जिससे यह हर एंगल से रोशनी को रिफ्लेक्ट करती है और साधारण हीरों के मुकाबले कई गुना अधिक चमकदार दिखाई देती है। इस घड़ी के निर्माण में दुनिया की सबसे महंगी सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है। घड़ी में कुल 298 सफेद हीरे जड़े गए हैं, जिनमें से 50 कैरेट के 98 एंजेल कट हीरे केवल बेजल में ही लगे हैं। इसका केस 18 कैरेट वाइट गोल्ड का बना है और इसका आकार 54 गु` णित 41 मिमी है, जो इसे देखने में और पहनने में बेहद प्रीमियम अनुभव देता है। घड़ी की मशीनरी भी उतनी ही खास है जितना कि इसका बाहरी हिस्सा। इसमें डबल फ्लाइंग टूरबिलन मैकेनिज्म का इस्तेमाल किया गया है, जो गुरुत्वाकर्षण के असर को कम कर समय को अत्यंत सटीक रूप से बताने में मदद करता है। जैकब एंड कंपनी ने इस घड़ी को बेहद दुर्लभ रखा है। दुनिया भर में इसके केवल 18 पीस ही बनाए गए हैं। इसका मतलब है कि केवल दुनिया के सबसे अमीर 18 लोग ही इस नायाब घड़ी को पहन पाएंगे। यह घड़ी न केवल लक्ज़री का प्रतीक है, बल्कि तकनीकी परिष्कार और बेहतरीन डिज़ाइन का भी शानदार उदाहरण है।

इनोविजन का शेयर 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध

बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया

नई दिल्ली ।

मानव संसाधन एवं टोल प्लाजा प्रबंधन सेवाएं देने वाली कंपनी इनोविजन लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 519 रुपये के मुकाबले 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 10.21 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

दूसरी ओर, एनएसई पर यह 9.88 प्रतिशत टूटकर 467.70 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 914.67 करोड़ रुपये रहा। इनोविजन लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को` पिछले मंगलवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 3.32 गुना अभिदान मिला था। इनोविजन ने निवेशकों से मिली ठंडी प्रतिक्रिया के बाद अपने आईपीओ की अंतिम तिथि बढ़ाकर 17 मार्च कर दी थी और साथ ही मूल्य दायरा भी घटा दिया था। आईपीओ पहले 12 मार्च को

बंद होने वाला था। कंपनी ने मूल्य दायरे को 521-548 रुपये प्रति शेयर से घटाकर 494-519 रुपये प्रति शेयर कर दिया था। हरियाणा स्थित इस कंपनी के आईपीओ में 255 करोड़ रुपये के नए शेयर और 12.38 लाख शेयर का बिक्री पेशकश (ओएफएस) का प्रस्ताव शामिल था।कंपनी की योजना नए निर्गम हासिल धनराशि का उपयोग ऋण के भुगतान, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने की है।

भू-राजनीतिक तनाव के बीच क्रूड की कीमतें 10 फीसदी बढ़ने का अनुमान

ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक तेल बाजार में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने 2026 के लिए कच्चे तेल की कीमतों का अनुमान काफी बढ़ा दिया है। बैंक ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति में भारी बाधा वैश्विक क्रूड बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा सप्लाई शॉक बन सकती है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत अब 85 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पहले के 77 डॉलर के अनुमान से 10.38 फीसदी अधिक है। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड का अनुमान भी बढ़ाकर 79 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है। यह जानकारी बैंक के विश्लेषक ने अपनी रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के अनुसार यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति छह हफ्तों तक केवल 5 फीसदी क्षमता पर बनी रहती है, तो पश्चिम एशिया में उत्पादन नुकसान 1.1 करोड़ बैरल/दिन से बढ़कर 1.7 करोड़ बैरल/दिन तक पहुंच सकता है। आपूर्ति बहाल होने में चार हफ्ते लगने पर कुल नुकसान 800 मिलियन बैरल से अधिक हो सकता है। बैंक ने चेतावनी दी है कि यह अभूतपूर्व संकट नीति

निर्माताओं और निवेशकों को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की संरचनात्मक कमजोरियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। तेल बाजार पर अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर साफ दिखा। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.32 फीसदी चढ़कर 101.50 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। हालांकि एशिया में आपूर्ति सख्त हो रही है, लेकिन अमेरिका और यूरोप में भंडार बढ़ने से संकेत मिलता है कि संघर्ष से पहले वैश्विक आपूर्ति मांग से अधिक थी।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने गुजरात में 510 मेगावाट की नई परियोजनाएं शुरू कीं

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के खावड़ा में 510 मेगावाट की नई बिजली परियोजनाओं को चालू कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को यह सूचना दी। इन परियोजनाओं के साथ कंपनी की कुल संचालित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता अब 17,982.3 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह 510.1 मेगावाट की परियोजनाएं कंपनी की अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से संचालित की गई हैं। कंपनी ने बताया कि आवश्यक सरकारी मंजूरियों के बाद इन संयंत्रों को 22 मार्च से चालू किया गया। अदाणी ग्रीन एनर्जी भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है और यह नई परियोजनाएं कंपनी की स्वच्छ और सतत ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा हैं।

तालाब में नहाने गए चार युवक डूबे, दो युवकों को बचाया गया, दो की तलाश जारी

वडोदरा (ईएमएस)। जिले के वाघोडिया तालुका के आलमगढ़ गांव से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। गांव के स्थानीय तालाब में नहाने गए चार युवक अचानक डूबने लगे, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण तालाब के किनारे एकत्र हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चारों युवक गर्मी से राहत पाने और मनोरंजन के उद्देश्य से तालाब में नहाने उतरे थे। इसी दौरान अचानक वे गहरे पानी में फंस गए और डूबने लगे। इनमें से दो युवकों को तैरना आता था, जिन्होंने काफी मशक्कत के बाद खुद को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, अन्य दो युवक पानी की गहराई और प्रवाह का अंदाजा नहीं लगा सके और लापता हो गए। लापता युवकों की पहचान अमित सुरेशभाई तडवी और शैलेश रमणभाई सोलंकी के रूप में हुई है।

1 अप्रैल से कई बड़े लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे

नई दिल्ली ।

1 अप्रैल से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स कानून में पैन कार्ड की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। सरकार का दावा है कि नए नियम नौकरीपेशा, व्यवसायी और मध्यम वर्ग के लिए सुविधा बढ़ाएंगे, लेकिन कई तरह के लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे। नई वित्तीय वर्ष से पैन कार्ड के बिना कई बड़े लेनदेन पूरे नहीं होंगे। इनमें शामिल हैं- 10 लाख रुपये से अधिक लेनदेन, 5 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के वाहन की खरीद, महंगे होटल बुकिंग, 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य वाली संपत्ति की खरीद या बिक्री। इसके अलावा एलटीसी और होम लोन पर टैक्स छूट पाने के लिए भी पैन जरूरी होगा। रकार ने बच्चों की ट्यूशन फीस पर मिलने वाली टैक्स छूट को बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह कर दिया है। हॉस्टल खर्च की छूट भी बढ़कर 9,000 रुपये प्रति माह हो गई है। यह छूट केवल दो बच्चों तक ही लागू होगी। लेकिन इन छूटों का लाभ पाने के लिए पैन कार्ड अनिवार्य है। 1 अप्रैल के बाद एचआरए के तहत टैक्स छूट लेने के लिए मकान मालिक का नाम, पता और पैन कार्ड देना होगा। पुराने टैक्स रिजीम के तहत जमा किए जाने वाले दस्तावेज अब और सख्त होंगे। नए नियमों के अनुसार, पैन बनवाने के लिए अब आधार के साथ जन्म प्रमाण पत्र देना जरूरी होगा।

(पेज 1 का शेष समाचार) पीएम मोदी ने राष्ट्र से कोविड-19 महामारी के समय की...

से अधिक का कार्यनीतिक पेट्रोलियम भंडार है और तेल कंपनियों के अलग-अलग भंडारों के अतिरिक्त 65 लाख मीट्रिक टन से अधिक का भंडार बनाने का कार्य जारी है। भारत के शोधन तंत्र में समग्र सुधार पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, पिछले 11 वर्षों में हमारी शोधन क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं के साथ सरकार की सक्रिय भागीदारी और खाड़ी जलमार्गों की सतर्क निगरानी का विस्तृत विवरण दिया, ताकि भारत को तेल, गैस, उर्वरक और अन्य आवश्यक वस्तुएं ले जाने वाले जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जा सके। समुद्री गलियारों को सुरक्षित रखने के लिए सभी वैश्विक साझेदारों के साथ निरंतर संवाद का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा, इन प्रयासों के कारण, होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे हमारे कई जहाज हाल ही में भारत पहुंच चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत के घरेलू ऊर्जा परिवर्तन की बात करते हुए इथेनॉल मिश्रण में हुई असाधारण प्रगति पर प्रकाश डाला, जो एक दशक पहले मात्र 1-1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज लगभग 20 प्रतिशत हो गया है। इससे तेल आयात में प्रति वर्ष लगभग साढ़े चार करोड़ बैरल की कमी आई है। उन्होंने रेलवे के विद्युतीकरण का भी उल्लेख किया, जिससे प्रति वर्ष लगभग 180 करोड़ लीटर डीजल की बचत हुई है। मेट्रो नेटवर्क का विस्तार 2014 में 250 किलोमीटर से कम से बढ़कर आज लगभग 1,100 किलोमीटर हो गया है और केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को 15,000 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई गई हैं। भारत के ऊर्जा भविष्य में विश्वास जताते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जोर देकर कहा, वैकल्पिक ईंधनों पर आज जिस स्तर पर काम हो रहा है, उससे भारत का भविष्य और भी सुरक्षित होगा। व्यापक आर्थिक प्रभावों पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि ऊर्जा आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और पश्चिम एशिया वैश्विक ऊर्जा आवश्यकताओं का एक प्रमुख स्रोत है, जिससे वर्तमान संकट विश्व भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक चुनौती बन गया है। उन्होंने सदन को सूचित किया कि सरकार मजबूत आर्थिक आधारभूत सिद्धांतों, सेक्टर-विशिष्ट हितधारकों के परामर्श और भारत की आयात-निर्यात श्रृंखला में हर कठिनाई का आकलन और समाधान करने के लिए प्रतिदिन बैठक करने वाले एक समर्पित अंतर-मंत्रालयी समूह द्वारा समर्थित एक व्यापक अल्पकालिक, मध्यम-अवधि और दीर्घकालिक रणनीति पर काम कर रही है। श्री मोदी ने आशा व्यक्त करते हुए कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि सरकार और उद्योग के संयुक्त प्रयासों से हम इन परिस्थितियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम होंगे। कृषि पर युद्ध के प्रभाव के बारे में प्रधानमंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि भारत के किसानों ने पर्याप्त खाद्यान्न भंडार सुनिश्चित कर लिया है और सरकार खरीफ की उचित बुवाई को सुविधाजनक बनाने के लिए काम कर रही है तथा हाल के वर्षों में मजबूत आपातकालीन खाद्य व्यवस्थाएं बनाई हैं। कोविड-19 महामारी और उससे संबंधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के दौरान भी, जब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में यूरिया की कीमतें 3,000 रुपये प्रति बोरी तक पहुंच गईं थीं, तब भी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि भारतीय किसानों को वही बोरी 300 रुपये से कम में मिले। श्री मोदी ने कहा, पहले भी हमारी सरकार ने वैश्विक संकटों का बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया। भारतीय कृषि को बाहरी झटकों से बचाने के लिए उठाए गए संरचनात्मक कदमों का विस्तार से उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले दशक में छह नए यूरिया संयंत्र चालू किए गए हैं, जिससे वार्षिक उत्पादन क्षमता में 76 लाख मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि हुई है। डीएपी और एनपीकेएस उर्वरकों का घरेलू उत्पादन लगभग 50 लाख मीट्रिक टन बढ़ा है और उर्वरक आयात के स्रोतों में विविधता लाई गई है। इन प्रयासों की व्यापकता पर बल देते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार हमने तेल और गैस आयात को विविधीकृत किया है, उसी प्रकार हमने डीएपी और एनपीकेएस के आयात के विकल्पों का भी विस्तार किया है। प्रधानमंत्री ने मेड-इन-इंडिया नैनो यूरिया जैसे नवोन्मेषणों के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और डीजल पर किसानों की निर्भरता को कम करने के लिए पीएम-कुसुम योजना के तहत 22 लाख से अधिक सौर पंपों के वितरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। जारी युद्ध के बीच गर्मी के मौसम में बिजली की बढ़ती मांग की चुनौती का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने सदन को सूचित किया कि देश भर के सभी बिजली संयंत्रों में पर्याप्त कोयले का भंडार उपलब्ध है और भारत ने लगातार दूसरे वर्ष 100 करोड़ टन कोयले के उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बिजली उत्पादन से लेकर बिजली आपूर्ति तक सभी प्रणालियों की निरंतर निगरानी की जा रही है और पिछले दशक में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति से सरकार की तैयारियों को अत्यधिक मजबूती मिली है। भारत की कुल संस्थापित बिजली उत्पादन क्षमता का आधा हिस्सा अब नवीकरणीय स्रोतों से आता है और देश की कुल नवीकरणीय क्षमता 250 गीगावाट के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर चुकी है। श्री मोदी ने कहा कि अकेले सौर ऊर्जा क्षमता पिछले 11 वर्षों में लगभग 3 गीगावाट से बढ़कर 140 गीगावाट हो गई है, लगभग 40 लाख रूफटॉप सौर पैनल लगाए गए हैं, गोबर्धन योजना के तहत 200 संपीड़ित बायोगैस संयंत्र अब चालू हैं, और परमाणु ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है, साथ ही एक नई स्वीकृत लघु जल विद्युत विकास योजना भी है जो अगले पांच वर्षों में 1,500 मेगावाट क्षमता जोड़ेगी। उन्होंने जोर देकर कहा, ये सभी प्रयास आज देश की बहुत सेवा कर रहे हैं, और वे भारत के ऊर्जा भविष्य को और भी अधिक सुरक्षित बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत की राजनयिक प्रतिक्रिया के संबंध में कहा कि भारत का रुख शुरू से ही स्पष्ट रहा है, जिसमें गहरी चिंता व्यक्त करना, तनाव कम करने की पक्षधरता करना और नागरिकों तथा ऊर्जा एवं परिवहन अवसंरचना पर हमलों का विरोध करना शामिल है। उन्होंने सदन को सूचित किया कि उन्होंने सभी संबंधित पश्चिम एशियाई नेताओं से बातचीत की है और उनसे तनाव कम करने और संघर्ष समाप्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वाणिज्यिक जहाजों पर हमले और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में अवरोध पैदा करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, युद्ध के माहौल के बीच भी, भारत कूटनीति के माध्यम से भारतीय जहाजों के सुरक्षित आवागमन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। मानवता और शांति के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बातचीत और कूटनीति ही इस समस्या का समाधान है। यह उल्लेख करते हुए कि भारत का हर प्रयास तनाव कम करने और शत्रुता को समाप्त करने की दिशा में निर्देशित है और इस युद्ध में किसी भी जीवन को खतरे में डालना मानवता के हितों के विरुद्ध है, श्री मोदी ने कहा, भारत का प्रयास सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रधानमंत्री ने सदन का ध्यान संकट के आंतरिक सुरक्षा पहलू की ओर भी दिलाया और चेतावनी दी कि कुछ तत्व ऐसी स्थितियों का लाभ उठाने की कोशिश कर सकते हैं। सदन को यह सूचित करते हुए कि सभी कानून-व्यवस्था एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है और तटीय, सीमा, साइबर और रणनीतिक प्रतिष्ठानों सहित सभी क्षेत्रों में सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सावधान किया, चाहे वह तटीय सुरक्षा हो, सीमा सुरक्षा हो, साइबर सुरक्षा हो या रणनीतिक प्रतिष्ठान, सभी की सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन का समापन करते हुए कहा कि इस युद्ध के कारण उत्पन्न कठिन वैश्विक परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रहने की संभावना है। उन्होंने राष्ट्र से कोविड-19 महामारी के समय की तरह ही एकजुट बने रहने और तैयार रहने की अपील की। श्री मोदी ने धैर्य, संयम और सतर्कता बरतने का आग्रह करते हुए तथा झूठी अफवाहें फैलाने, कालाबाजारी करने या जमाखोरी करने वालों के प्रति सावधान करते हुए सदन के माध्यम से सभी राज्य सरकारों से ऐसे तत्वों की कड़ी निगरानी और उनके विरूद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की। राष्ट्र के सामूहिक संकल्प में अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, जब इस देश की हर सरकार और हर नागरिक एक साथ चलेंगे, तभी हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं। यही हमारी पहचान है और यही हमारी शक्ति है।

लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
For details please scan
39/2025-2026
28/03/2026
10/04/2026
10/04/2026
10/04/2026
NO.IP/DMN/2/5/2025-26/1253 DATED: 23/03/2026

लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4658_1
: 24/03/2026
: 30/03/2026
: 30/03/2026
: 30/03/2026
For details please scan
NO.IP/DMN/2/5/2025-26/1254 DATED: 23/03/2026

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM JAYESHKUMAR SHAMJI DAMANIA TO **JAYESHKUMAR SHAMJIBHAI DAMANIA**
ADDRESS: 142, MAHYAVANSHI FALIA, MAGARWADA, MOTI DAMAN-396220.

डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे मिलेगी निजात

सौरभ वार्ष्णेय

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

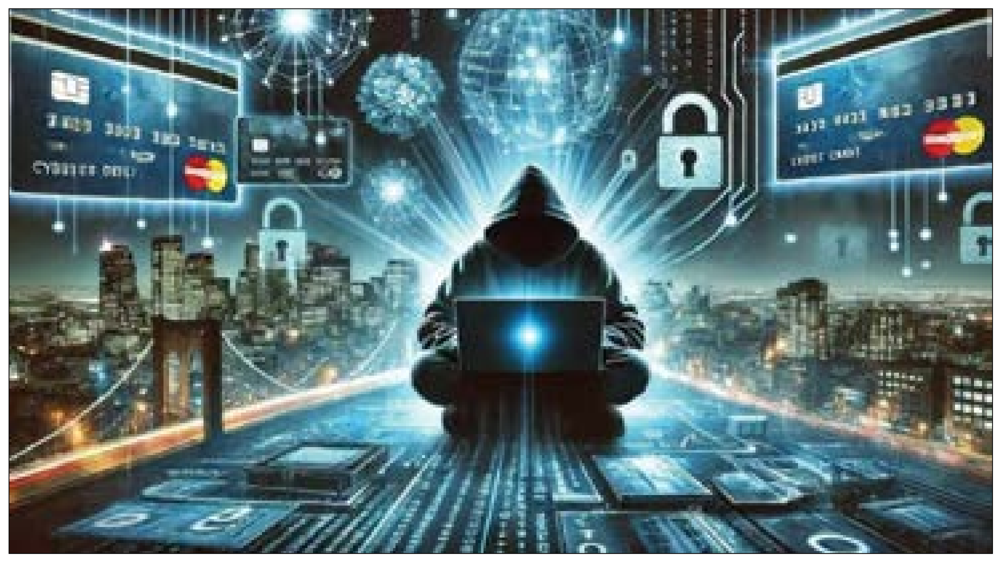

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रुपए (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रुपए ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी तो विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है। दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी, और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं, लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं, जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है।

यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है। दूसरा, देश की आर्थिक सुरक्षा पर इसका असर पड़ता है। तीसरा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता और संसाधनों पर भी प्रश्न उठते हैं।

समाधान के लिए बहुस्तरीय रणनीति आवश्यक है। सबसे पहले, साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से लैस करना होगा। दूसरे, बैंकों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों को अपनी सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना होगा। तीसरे, स्कूलों और सामाजिक मंचों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि लोग ठगी के नए-नए तरीकों से परिचित हो सकें।

इसके अलावा, सरकार को सख्त कानून और त्वरित न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो। साथ ही, आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा–अनजान कॉल, लिंक या ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच करना जरूरी है।

हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त आयुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में ऑपरेशन साई-हॉक के तहत दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन कॉल सेंटरों और गिरोहों को नेस्तनाबूद करना था जो फर्जी केवाईसी, लॉटरी और निवेश के नाम पर लोगों को लूटते हैं। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराधों की दर में गिरावट दर्ज की गई। अब जांच टीम के विस्तार से इस पकड़ को और मजबूत किया जा सकेगा।

यह समझना होगा कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह ठगी का जाल और भी व्यापक रूप ले सकता है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विश्वास भी प्रभावित होगा।

यह आंकडे तो दिल्ली के है देश भर में यह ठगी का आंकडा बड़ा भी हो सकता है। लेकिन सतर्कता सावधानी जरूरी है।

डिजिटल ठगी से कैसे निजात पाएं

डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं ठगों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। आज मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ डिजिटल ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन आम लोग अपनी मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि डिजिटल ठगी से कैसे बचा जाए और इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण कैसे हो। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डिजिटल ठगी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम भी है। ठग अक्सर फर्जी कॉल, मैसेज, ईमेल या लिंक के माध्यम से लोगों को भ्रमित करते हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करें, लॉटरी लगी है –जैसे लालच और डर पैदा करने वाले संदेश लोगों को जल्दी फैसले लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा अपराधी उठाते हैं।इस समस्या से निजात पाने का पहला और सबसे प्रभावी उपाय है–जागरूकता। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन या मैसेज के जरिए पासवर्ड या नहीं मांगती। ऐसे किसी भी अनुरोध को तुरंत नजरअंदाज करना चाहिए। साथ ही, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना और केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करना जरूरी है।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है–तकनीकी सुरक्षा। मोबाइल और कंप्यूटर में अपडेटेड एंटीवायरस रखना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना और समय-समय पर पासवर्ड बदलना जरूरी है। दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग भी ठगी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।तीसरा, सरकार और संस्थाओं की भूमिका भी बेहद अहम है। साइबर अपराधों पर सख्त कानून, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलना आवश्यक है। साथ ही, पुलिस और साइबर सेल को आधुनिक तकनीक से लैस करना और उनकी क्षमता बढ़ाना समय की मांग है। जन-जागरूकता अभियान भी लगातार चलाए जाने चाहिए, ताकि ग्रामीण और शहरी–दोनों क्षेत्रों में लोग सतर्क रहें।इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है, तो उसे घबराने की बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराना चाहिए, ताकि समय रहते पैसे को रोका जा सके।

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

संपादकीय

मितव्ययिता का दिखावा

इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से जूझ रहा है। लेकिन उससे उबरने के लिए जो कदम उठाये जा रहे हैं, उनकी तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नौकरशाहों के वेतन में कटौती का फैसला, बचत करने के एक सांकेतिक प्रयास के तौर पर पेश किया जा रहा है। यह जनता को बताने की राजनीतिक कवायद हो सकती है कि हम राज्य में वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन सवाल यह है कि यह कदम संकट से उबारने में किस हद तक मदद कर पाएगा। बहरहाल, यह प्रयास इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राज्य के सामने गहरे वित्तीय संकट की स्थिति बन रही है। लेकिन हकीकत यही है कि यह कदम राजनीतिक रूप से एक प्रतीकात्मक होने के बावजूद राज्य के सिमटते खजाने को कोई ठोस राहत नहीं देने वाला है। यदि इससे जुड़े आंकड़ों पर नजर डालें तो वास्तविकता सामने आ जाती है। मुख्यमंत्री के वेतन में पचास फीसदी, मंत्रियों के वेतन में तीस फीसदी तथा विधायकों के वेतन में बीस फीसदी की छह माह के लिये कटौती, आठ-दस हजार करोड़ रुपये के घाटे को कितना कम कर पाएगी? निश्चित रूप से राजस्व घाटे के अनुपात में यह बचत नगण्य ही होगी। हां, जनता को यह संदेश, उनके त्याग करने के रूप में पहुंचाने की कवायद जरूर होगी। यहां विचारणीय तथ्य यह है कि राज्य में यह वित्तीय संकट अचानक नहीं आया है। यह संरचनात्मक विसंगतियों की ही परिणति है। निर्विवाद रूप से केंद्र द्वारा राजस्व घाटा अनुदान की वापसी ने संघीय हस्तांतरण पर राज्य की दीर्घकालीन निर्भरता को उजागर कर दिया है। इस बीच वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे निश्चित व्यय बजट राज्य की अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए हुए हैं, जिसमें बदलाव की गुंजाइश बहुत कम रह गई है। ऐसे पर परिदृश्य में, वेतन में कटौती आर्थिक समाधान से अधिक एक राजनीतिक संकेत मात्र ही है। यह सरकार को कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित किए बिना या स्थापित व्यय पद्धतियों का सामना किए बिना नैतिक रूप से श्रेष्ठ होने का दावा करने का अवसर देता है। निस्संदेह, राजकोषीय विवेक के लिये समय-समय पर कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। मसलन सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाना, कर आधार का विस्तार करना और विकासोन्मुखी पूंजी निवेश को प्राथमिकता देना जरूरी होता है। इसके बिना, अस्थायी समाधान शासन की एक नियमित लोकलुभावनी परिपाटी बनने का जोखिम भी बना रहेगा। यह घटनाक्रम संघीय राजकोषीय ढांचे के भीतर पहाड़ी राज्यों की नाजुक स्थिति पर भी सवाल उठाता है।

चिंतन-मनन

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर।

बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है। अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान की विचारणाएं उदित हो गयीं।

अमेरिका जीता नहीं, ईरान हारा नहीं, युद्ध का अंत परमाणु बम से?

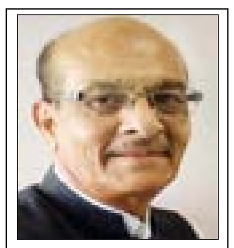

सनत जैन

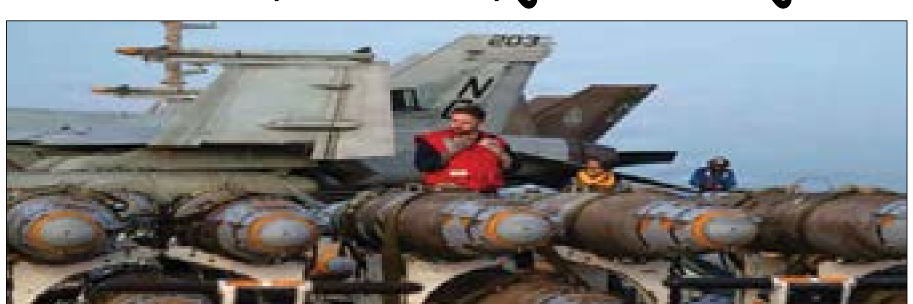

अमेरिका और इजरायल ने बड़ी तैयारी करके कई दशकों की मेहनत के बाद ईरान पर हमला किया। यह हमला तब किया गया। जब ईरान सबसे ज्यादा कमजोर था, ईरान में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन हो रहा था। ईरान की सत्ता में मोसाद और सीआईए के एजेंट थे। अमेरिका और इसराइल को लग रहा था, एक हफ्ते के अंदर वह ईरान में सत्ता परिवर्तन कराकर अपनी पसंद के व्यक्ति को ईरान के सिंहासन पर बैठा देंगे। जो अमेरिका के इशारे पर सारे काम करेगा। अमेरिका और इजरायल कि यह इच्छा उनके ऊपर इतनी भारी पड़ेगी। इसका अनुमान इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को नहीं था, नाही अमेरिका के बडबोले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को था। 23 दिन से ज्यादा युद्ध के चलते हुए हो गए हैं। ईरान की प्रथम पंक्ति के सारे नेता एक-एक करके मारे जा चुके हैं। ईरान की बच्चियों के स्कूल में बम गिराकर 180 से ज्यादा नोनिहाल छोटी-छोटी बच्चियों को मार दिया गया। ईरान पर, अमेरिका और इजरायल ने मिलकर हमले किए, रक्षा और तेल ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने जिस तरह से हमलों का जवाब दिया। इससे अमेरिका और इजराइल हक्के-बक्के हैं। ईरान के ड्रोन और मिसाइलों ने अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को भेदकर जिस तरह से उन्हें नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका और इजराइल को समझ नहीं आ रहा है, यह क्या हो गया। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों के अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके उन्हें नष्ट किया। अमेरिकी दूतावासों पर हमला करके उन्हें बंद कराने में सफलता हासिल की। जहां-जहां अमेरिकी नागरिक रुके हुए थे, उन होटलों और ठिकानों पर सटीक हमला कर-के, ईरान ने बता दिया वह किसी मामले में कम नहीं है। ईरान के कम लागत के ड्रोन और मिसाइल अमेरिका और इजरायल के करोड़ों रुपए के सैन्य उपकरणों को बर्बाद कर दिया। ईरान ने अमेरिका के सबसे शक्तिशाली अजेय एफ 35 और एफ15 विमान को जमीन पर उतार दिया। समुद्र में अमेरिका के बड़े-बड़े युद्ध पोत खड़े थे। उन्हें पीछे जाने पर विवश कर दिया। इजराइल के हाइवापोर्ट से लेकर तेल हबीब एवं अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर सटीक निशाने लगाकर 2 शहरों को पूरी तरह से नष्ट किया है। कहा तो यह भी जा रहा है, इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की बमबारी में मारे गए हैं। इसकी पुष्टि कहीं से नहीं हो रही है। ईरान जवाबी हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। वर्तमान स्थिति में अमेरिका इस युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। चाहकर भी डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका ने बात शुरू करने के संकेत दिए। ईरान बात करने तैयार नहीं है। जिस तरह से उनके धर्मगुरु आयतुल्लाह खामनेई तथा प्रथम पंक्ति के बड़े नेताओं की हत्या कर सत्ता पलटने की कोशिश की गई है। छोटी-छोटी मासूम बच्चियों के स्कूल में बम फेंक कर उनकी हत्या की गई, इससे ईरान नाराज है। दुनिया में कच्चे तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका ने ईरान पर लगाया गया प्रतिबंध 1 माह के लिए हटाने की घोषणा की। यह भी कहा ईरान किसी को भी तेल और गैस बेच सकता है। इस ऑफर को ईरान ने ठुकराते हुए कहा, हमारे पास जो कच्चा तेल और गैस है। वह हम चीन को दे रहे हैं, हमारे पास अतिरिक्त कुछ भी बेचने के लिये नहीं है। युद्ध मे सीजफायर नहीं होगा, युद्ध का अंत ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइलों से अमेरिका के हथियारों का सामना किया है। सैन्य उपकरण अजेय माने जा रहे थे। ईरान ने उन सबकी असलियत सारी दुनिया के सामने खोल दी है। ईरान ने अमेरिका को ऐसी शिकस्त दी है। जिसके कारण अब अमेरिका की दादागिरी पहली बार सारी दुनिया में खतरे में पडती हुई दिख रही है। अमेरिका और इजरायल ने महंगे युद्ध उपकरणों का ईरान ने मुकाबला किया है। उसने सारी दुनिया की सोच को बदल दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद पर बना रहना मुश्किल हो रहा है। पहली बार अमेरिका सारी दुनिया के सामने शर्मिंदा है। अमेरिका बार-बार सीज फायर के संकेत दे रहा है। अभी तक की लड़ाई में ना तो अमेरिका जीता है, ना ही ईरान हार रहा है। ऐसी स्थिति में युद्ध पर विराम या पूर्ण विराम कब लगेगा। इसको लेकर सारी दुनिया चिंतित है। वर्तमान स्थिति में यही कहा जा सकता है। अमेरिका युद्ध विराम घोषित करे। जो प्रतिबंध ईरान के ऊपर लगा रखे हैं उन्हें समाप्त करे। ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है। अमेरिका युद्ध विराम में तभी सफल हो सकता है, जब वह ईरान की शर्तों पर बात करने को तैयार होगा। पिछले 47 वर्षों से अमेरिका और यूरोपीय देशों के निशाने पर ईरान था। सुनार की हथौड़ी की तरह कई वार ईरान ने सहे हैं। ईरान के हथौड़े की एक चोट ने अभी तक की सब चोटों का बदला ले लिया है। ऐसा लगता है, सोवियत रूस का जिस तरह से विघटन हुआ था। वही स्थिति अब अमेरिका की देखने को मिल रही है। सारे विश्व में अमेरिका की जो दादागिरी पिछले कई दशकों से चल रही थी। वह समाप्त होने की दिशा में अग्रसर है। वैश्विक व्यापार और युद्ध की पूरी रणनीति में वैश्विक बदलाव का समय आ गया है। अमेरिका इसको जितनी जल्दी समझ ले उतना ही अच्छा है।

ईरान अमेरिका संघर्ष से बाजार में उथल पुथल

कांतिलाल मांडोत

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और इसका सबसे बड़ा असर भारत के शेयर बाजार पर देखने को मिला। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने निवेशकों के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। एक ही कारोबारी दिन में निवेशकों के लगभग बारह लाख करोड़ रुपये डूब गए, जो यह दशार्ता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह घरेलू बाजार को प्रभावित करती हैं। यह गिरावट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने निवेशकों के मन में डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया।

भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में करीब पच्चीस सौ अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई और यह गिरकर लगभग चौहत्तर हजार के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी में भी सात सौ से अधिक अंकों की गिरावट आई। यह गिरावट पिछले कई महीनों में सबसे बड़ी मानी जा रही है। बाजार के लगभग सभी क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव दिखाई दिया, जिससे यह साफ हो गया कि यह केवल किसी एक सेक्टर की समस्या नहीं बल्कि व्यापक आर्थिक चिंता का परिणाम है।

इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण युद्ध का तेल और गैस क्षेत्रों तक पहुंचना है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया के ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र है और जब यहां अस्थिरता बढ़ती है तो उसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ता है। युद्ध के चलते कई महत्वपूर्ण ऊर्जा ठिकानों पर हमले हुए, जिससे उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हुए। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया और यह एक समय एक सौ पंद्रह डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की जिंदगी पर भी असर डालता है। तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि होती है। यही कारण है कि इस संघर्ष ने महंगाई की आशंका को भी बढ़ा दिया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की स्थिति को और कमजोर कर दिया।

घरेलू कारणों ने भी इस गिरावट को और गहरा किया। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिससे पूरे बाजार पर दबाव बना। निवेशकों ने जोखिम से बचने के लिए तेजी से अपने निवेश को निकालना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में घबराहट और बढ़ गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी लगभग तीन प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशकों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ा।

हालांकि इस भारी गिरावट के बाद अगले ही दिन बाजार में कुछ सुधार भी देखने को मिला। निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी की, जिससे बाजार में थोड़ी स्थिरता आई। तेल की कीमतों में हल्की गिरावट भी इस सुधार का एक कारण रही। इससे यह संकेत मिलता है कि बाजार में अभी भी उम्मीद बाकी है, लेकिन स्थिति पूरी तरह स्थिर नहीं कही जा सकती। इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहा बल्कि सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों पर भी पड़ा। आमतौर पर संकट के समय इनकी कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इसका कारण यह है कि निवेशकों ने नकदी बनाए रखने के लिए इन धातुओं में भी बिकवाली की। ऊर्जा संकट के चलते पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ा है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे उन लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है जो उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन का उपयोग करते हैं। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अभी कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहती हैं तो भविष्य में आम ईंधन भी महंगा हो सकता है।

यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक भी है। युद्ध अब केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहा बल्कि आर्थिक ढांचे को निशाना बना रहा है। ऊर्जा संसाधनों पर हमले यह दशार्ते हैं कि दोनों पक्ष एक दूसरे को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

रुपये की कमजोरी भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू है। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से आयात महंगा हो जाता है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यह स्थिति निवेशकों के लिए और अधिक चिंता का कारण बनती है क्योंकि इससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष केवल एक क्षेत्रीय युद्ध नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारतीय शेयर बाजार में आई भारी गिरावट इसी का एक उदाहरण है। आने वाले समय में बाजार की दिशा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि यह संघर्ष किस दिशा में आगे बढ़ता है और कच्चे तेल की कीमतें किस स्तर पर स्थिर होती हैं।

यदि स्थिति जल्द सामान्य नहीं होती है तो इसका असर लंबे समय तक बना रह सकता है। ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है और बाजार की चाल को समझकर ही निर्णय लेना होगा। यह संकट एक बार फिर यह सिखाता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह हमारे आर्थिक जीवन को प्रभावित करती हैं और हमें हमेशा बदलती परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में देर रात 4.6 तीव्रता का आया भूकंप, एक ही दिन में दूसरी बार कांपी धरती

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में शनिवार देर रात 4.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने दी है। एजेंसी के अनुसार, यह भूकंप रात 10 :43 बजे (भारतीय समयानुसार) आया और इसकी गहराई करीब 82 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र देश के उत्तरी-पूर्वी हिस्से में स्थित था। इससे पहले शनिवार सुबह भी 4.5 तीव्रता का एक और भूकंप आया था। उस झटके की गहराई लगभग 130 किलोमीटर बताई गई थी। लगातार आ रहे झटकों से क्षेत्र में सतर्कता बढ़ गई है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के अनुसार, अफगानिस्तान भूकंप, भूस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति बेहद संवेदनशील है। लंबे समय से संघर्ष और सीमित संसाधनों के कारण यहां की आबादी इन आपदाओं से उबरने में कठिनाइयों का सामना करती है। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

ईरान में अपनी सेना उतारने की तैयारी में अमेरिका, रिपोर्ट में दावा- हजारों मरीन पहले ही हो चुके रवाना

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 23वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच एक बार फिर अमेरिका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ईरान के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने एक बड़ा कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार पेंटागन ने ईरान में जरूरत पड़ने पर अमेरिकी जमीनी सेना (ग्राउंड ट्रूप्स) भेजने के लिए पूरी योजना तैयार कर ली है। सूत्रों के अनुसार, यह योजना तब लागू हो सकती है जब डोनाल्ड ट्रंप आगे कोई बड़ा फैसला लेते हैं। हालांकि, अभी तक ट्रंप ने यह तय नहीं किया है कि किन हालात में वह सेना भेजने की मंजूरी देंगे। मामले में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि पेंटागन का काम राष्ट्रपति को हर स्थिति के लिए तैयार रखना है। इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ने ईरान में सेना भेजने का अंतिम फैसला कर लिया है। उन्होंने साफ किया कि फिलहाल ग्राउंड ट्रूप्स भेजने की कोई योजना नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान में संभावित कार्रवाई के दौरान लोगों को पकड़ने और हिरासत में रखने की भी तैयारी शुरू कर दी है।

ईद की नमाज़ के बाद, अज्ञात बंदूकधारियों ने लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सलफ़ी को मारी गोली,

इस्लामाबाद, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सलाफी की पाकिस्तान के मुरीदके स्थित मरकज़ तैयबा के अंदर कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर और चाकू से वार करके हत्या कर दी। यह हमला ईद की नमाज़ के ठीक बाद हुआ। मौके से सामने आए वीडियो में घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है, और सलाफ़ी खून से लथपथ ज़मीन पर पड़े हैं, जबकि लोग उन्हें उठाने की कोशिश कर रहे हैं। इस हत्या के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है। खबरों के मुताबिक, बिलाल आरिफ सलाफ़ी लश्कर-ए-तैयबा का एक ऊँचा कमांडर था। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में दावा किया गया है कि वह मुरीदके सेंटर में युवाओं को भर्ती करने वाला मुख्य व्यक्ति था, जिसकी ज़िम्मेदारी पूरे पाकिस्तान से युवाओं की पहचान करके उन्हें 'कश्मीर जिहाद' में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बनाना था। आरोप है कि उसने वैचारिक ट्रेनिंग देने के लिए 'मरकज़ तैयबा' को अपने अड्डे के तौर पर इस्तेमाल किया।

दावा-ईरान ने हीट ट्रैकिंग मिसाइल से अमेरिकी एफ-35 को गिराया

यह दुनिया का सबसे एडवांस फाइटर जेट, लेकिन ईरानी खतरे का अंदाजा नहीं लगा पाया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने 19 मार्च को दुनिया के सबसे एडवांस अमेरिकी फाइटर जेट एफ-35 को गिराने का दावा किया। ईरानी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स ने अपने स्वदेशी 'मजीद' एयर डिफेंस सिस्टम के जरिए इसे मार गिराया। अगर यह सच है तो ईरान पहला ऐसा देश होगा जो ऐसा कर पाया है। एफ-35 फाइटर जेट को करीब दो दशकों से अमेरिकी सैन्य ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता रहा है।

यह सबसे प्रीमियम फाइटर जेट है, जिसे खास तौर पर इस तरह बनाया गया है कि वह दुनिया के सबसे मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम में भी बिना पकड़े घुसकर हमला कर सके। ईरान का दावा है कि उसने इस 'अदृश्य' माने जाने वाले जेट की कमजोरी पकड़ ली है। मजीद डिफेंस सिस्टम ने एफ-35 से निकली इंफ्रारेड यानी गर्मी को पकड़कर उसे निशाना बनाया गया। ईरान का कहना है कि एफ-35 भले ही रडार से बचने में सक्षम हो, लेकिन उसके इंजन से निकलने वाली गर्मी को पूरी तरह छिपाया नहीं जा सकता। वहीं, अमेरिकी वेबसाइट सीएनएन ने भी सूत्रों के हवाले से बताया था कि ईरान के हमलों की वजह से एफ-35 को मिडिल ईस्ट में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है। दावा- सिर्फ 1 मिसाइल से गिराया स्न-35 ईरानी मीडिया के मुताबिक पहले यह माना जा रहा था कि स्न-35 को गिराने में 'तलाश' एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल हुआ है। लेकिन अब कहा जा रहा है कि मजीद शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम ने ही एफ35 को गिराया है। मजीद डिफेंस सिस्टम रडार की बजाय इंफ्रारेड तकनीक पर काम करता है। ऐसे में एफ-35 के अंदर जो सेंसर और चेतावनी सिस्टम लगे होते हैं, वे इस खतरे को आसानी से पहचान नहीं पाते। एफ-35 के पास जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम होते हैं, वे आम तौर पर दुश्मन के रडार सिग्नल को जाम कर देते हैं। लेकिन यहां यह पूरी तरह बेकार साबित हुए। ईरान की ओर से जारी वीडियो के मुताबिक, इस हमले में सिर्फ एक मिसाइल ही काफी रही। इससे यह दिखाने की कोशिश की गई कि सिस्टम कितना सटीक है और एफ-35 की गर्मी वाली कमजोरी कितनी बड़ी है। मजीद एयर डिफेंस 6किमी दूरी तक निशाना लगा सकता है मजीद एयर डिफेंस सिस्टम को ईरान ने 2021 में पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखाया था। इसे खास तौर पर नजदीकी दूरी की सुरक्षा के लिए तैयार किया गया है। इस सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह रडार पर निर्भर नहीं रहता, बल्कि इंफ्रारेड तकनीक का इस्तेमाल करता है। इसी वजह से ऐसे विमान जो रडार से बचने के लिए डिजाइन किए गए हैं, वे भी इसकी नजर से बच नहीं पाते। मजीद सिस्टम आम तौर पर कम ऊंचाई पर उड़ने वाले टारगेट को पकड़ने के लिए बनाया गया है। इसकी मार करने की दूरी करीब 700 मीटर से लेकर 6 किलोमीटर तक मानी जाती है। इस वजह से यह उन हालात में ज्यादा कारगर होता है, जहां दुश्मन के विमान या ड्रोन को किसी खास इलाके के ऊपर आना पड़ता है। इसे 'पॉइंट डिफेंस' सिस्टम कहा जाता है, यानी यह एयरबेस, सैन्य ठिकानों, रडार स्टेशन या किसी महत्वपूर्ण इमारत जैसी जगहों की सीधी सुरक्षा के लिए तैनात किया जाता है। यह सिस्टम आमतौर पर मोबाइल प्लेटफॉर्म पर लगाया जाता है, यानी इसे जरूरत के हिसाब से एक जगह से दूसरी जगह जल्दी शिफ्ट किया जा सकता है। इससे दुश्मन के लिए इसकी सही लोकेशन पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

क्या ईरान युद्ध के बीच ताइवान पर हमला करेगा चीन? द्वीप के पास ही मंडरा रहे युद्धपोत

बीजिंग, एजेंसी। ईरान संकट के बीच चीन के ताइवान पर हमला करने की आशंका जानकार पहले से ही जता रहे हैं। इसी बीच चीनी सेना के कुछ युद्धपोत ताइवान के समंदर में देखे गए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया, रविवार को सुबह 6 बजे के आसपास ताइवान के समंदर में 6 ब्बह और 1 आधिकारिक चीनी जहाज देखा गया है। स्थिति के मुताबिक प्रतिक्रिया दी गई है। हालांकि इस दौरान कोई चीनी लड़ाकू विमान नहीं देखा गया है।

इससे पहले शनिवार को ताइवान ने कहा था कि उसके आसपास चीन के 8 युद्धपोत और दो एयरक्राफ्ट देखे गए हैं। बता दें कि चीन लंबे समय से ताइवान पर दावा करते आया है। हालांकि ताइवान अब तक अपनी संप्रभुता बचाने में कामयाब है। यह एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा भी है। 15 मार्च को भी ताइवान ने द्वीप के पास चीनी सैन्य विमानों की जानकारी दी थी।

ताइवान ने कहा था कि शनिवार को मंत्रालय ने द्वीप के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों का पता लगाया, जिनमें से 16 विमान उसके मध्य और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर गए। विमानों की संख्या में यह वृद्धि से विश्लेषक यह समझने में असमंजस में पड़ गए कि चीन की सेना आखिर क्या कर रही है।

ताइवान ने 27 फरवरी से पांच मार्च तक एक सप्ताह के दौरान किसी भी चीनी सैन्य विमान के मध्य रेखा को पार करके क्षेत्र में प्रवेश करने की सूचना नहीं दी। छह मार्च को दो मामले सामने आने के बाद, अगले चार दिनों तक कोई मामला नहीं आया। ताइवान की सेना ने पहले संकेत दिया था कि चीनी युद्धक विमानों की गतिविधि में कमी के कारण वह अपनी रक्षा नीति में कोई बदलाव नहीं कर रही है। रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने इससे पहले कहा था कि सैन्य उड़ानों में कमी आने के बावजूद चीन की नौसेना आसपास के जलक्षेत्र में सक्रिय बनी हुई है। बीते दिनों ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाले कार्यकर्ताओं को चीन में कड़ी सजा दी गई थी। राष्ट्रीय संसद सत्र में विचार-विमर्श के लिए जमा की गई रिपोर्ट के अनुसार, चीन में अलगाव रोधी कानून को सख्ती से लागू किया गया है। सुप्रीम पीपुल्स प्रोक्यूरेटोरेट ने उसी दिन समीक्षा के लिए जमा की गई अपनी वर्क रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए अलगाववाद को भड़काने के अपराधों के लिए कट्टर 'ताइवान की स्वतंत्रता' के अलगाववादियों को कानून के अनुसार सज़ा दी गई है।

ब्रिटेन से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक, होर्मुज पर ईरान के खिलाफ हुए ये 22 देश; सख्त कार्रवाई की दी धमकी

लंदन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच 22 देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर संयुक्त बयान जारी किया है। इस बयान में होर्मुज के पास-पास ईरान की हालिया गतिविधियों पर कड़ा ऐतराज जताया गया है। संयुक्त बयान जारी करने वाले देशों में संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, जापान, कनाडा, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, डेनमार्क, लातविया, स्लोवेनिया, एस्टोनिया, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, चेकिया, रोमानिया, बहरीन, लिथुआनिया और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

साझा बयान में कहा गया है कि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर ईरान के हमले बेहद निंदनीय हैं। ईरानी सेना ने तेल और गैस संयंत्रों जैसे नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य को हकीकत में बंद कर देना एक गंभीर मुद्दा है। इन देशों ने बढ़ते संघर्ष पर भी गहरी चिंता व्यक्त की है।

इन देशों ने ईरान से मांग की है कि वह अपनी धमकियां तुरंत बंद करे। वे चाहते हैं कि ईरान समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाना, ड्रोन और मिसाइल हमले करना और व्यापारिक जहाजों का रास्ता रोकना बंद कर दे। बयान में ईरान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का पालन करने की सलाह दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, समुद्र में जहाजों की आवाजाही की आजादी एक बुनियादी अधिकार है। ईरान के इन कदमों का बुरा असर पूरी दुनिया के लोगों पर पड़ेगा, खासकर उन पर जो सबसे ज्यादा कमजोर हैं। व्यापारिक जहाजों के रास्ते में दखल देना और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इन देशों ने नागरिक ठिकानों और तेल-गैस संयंत्रों पर हमलों को रोकने के लिए तत्काल पूर्ण रोक लगाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को सुरक्षित निकलने लिए हर संभव प्रयास करेंगे। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईइए) ने आपातकालीन पेट्रोलियम भंडार जारी करने का फैसला किया है, जिसका इन देशों ने स्वागत किया है।

मस्क ने ट्विटर के दाम गिरा जानबूझकर निवेशकों को दिया धोखा, अदालत की ज्यूरी ने माना दोषी; कुछ आरोपों में बरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक ज्यूरी ने एलन मस्क को ट्विटर (अब एक्स) के शेयर के दाम जानबूझकर गिराकर निवेशकों को धोखा देने का दोषी पाया है। यह धोखाधड़ी 2022 में 44 अरब डॉलर में ट्विटर कंपनी के अधिग्रहण से पहले के उथल-पुथल भरे महीनों में की गई। हालांकि, ज्यूरी ने उन्हें कुछ धोखाधड़ी के आरोपों से बरी कर दिया। सैन फ्रांसिस्को में चला यह दीवानी केस मस्क द्वारा ट्विटर का नियंत्रण लेने से ठीक पहले दायर सामूहिक मुकदमे पर केंद्रित था। ज्यूरी को यह तय करना था कि क्या मई 2022 में मस्क द्वारा किए गए दो ट्वीट और एक पॉडकास्ट पर आई टिप्पणियां ट्विटर के शेयरधारकों को जानबूझकर धोखा देने के बराबर थीं, जिन्होंने मस्क के बयानों के आधार पर अपने शेयर बेच दिए थे। 100 सदस्यीय ज्यूरी ने चार दिनों के विचार-विमर्श के बाद फैसला सुनाया, जो 2 मार्च को शुरू हुए मुकदमे के करीब तीन सप्ताह बाद आया है। ज्यूरी ने कहा, मस्क दो ट्वीट निवेशकों को गुमराह करने के लिए उत्तरदायी थे। ज्यूरी ने यह भी माना कि अरबपति कारोबारी की मंशा ट्विटर के दाम घटाने की थी।

प्रति शेयर हर दिन तीन से आठ डॉलर का हर्जाना : अमेरिकी ज्यूरी ने शेयरधारकों को प्रति शेयर प्रतिदिन लगभग 3 से 8 डॉलर के बीच हर्जाना दिया। इसे वादी के वकीलों ने करीब 2.1 अरब डॉलर के स्टॉक और 50 करोड़ डॉलर के विकल्प के बराबर बताया। मस्क की संपत्ति का वर्तमान अनुमान लगभग 814 अरब डॉलर है, जिसका अधिकांश हिस्सा टेस्ला के शेयरों में लगा हुआ है।

निवेशकों व बाजारों के लिए अहम फैसला : वादी पक्ष के वकील मार्क मोलम्फी ने कहा, यह न केवल ट्विटर के निवेशकों के लिए, बल्कि सार्वजनिक बाजारों के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीत है। वह बोले, मुझे लगता है कि ज्यूरी का फैसला एक कड़ा संदेश देता है कि भले ही आप अमीर और शक्तिशाली व्यक्ति हों, आपको कानून का पालन करना ही होगा, और कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। मस्क की कानूनी टीम ने मस्क द्वारा जीते गए अन्य मामलों का हवाला दिया और कहा कि वे अपील करेंगे।

ट्विटर पर बॉट्स की संख्या गलत बताई : कैलिफोर्निया के उत्तरी जिले के सैन फ्रांसिस्को संघीय कोर्ट में लगभग तीन सप्ताह तक चले इस मुकदमे में सीईओ पराग अग्रवाल और सीएफओ नेड सेगल सहित ट्विटर के पूर्व अधिकारियों के साथ-साथ मस्क ने भी गवाही दी। मस्क ने गवाही में कहा कि ट्विटर के नेतृत्व ने बॉट्स की संख्या पर झूठ बोला और फर्जी खातों की संख्या की गणना की जानकारी भी उनसे जानकारी छिपाई। उन्होंने ट्विटर बोर्ड द्वारा दी गई जानकारी को एक बैल के मल-मूत्र के संक्षिप्त रूप से वर्णित किया।

ईरान से प्यार है, तो वहीं चले जाओ': पाकिस्तान में रह रहे शिया समुदाय को आसिम मुनीर की खुली धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 22वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब पाकिस्तान में इसी संबंध में बड़ा विवाद खड़ा हो गया। इसका कारण पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज और सेना प्रमुख मार्शल आसिम मुनीर का पाकिस्तान में रह रहे शिया समुदायों को खुली धमकी है। दरअसल पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने रावलपिंडी में एक इफ्तार कार्यक्रम के दौरान शिया धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने धमकी भरे अंदाज में कहा कि अगर आपको ईरान इतना पसंद है, तो आप वहां चले जाएं। इस बयान को शिया समुदाय के नेताओं ने आपत्तिजनक और भड़काऊ बताया है। शिया घर्मगुरुओं का कहना है कि इससे पूरे समुदाय को गलत तरीके से निशाना बनाया गया है। खामेनेई की मौत पर पाकिस्तान में प्रदर्शन बता दें कि मुनीर का यह बयान ऐसे समय में आया है। जब बीते दिनों अमेरिका और इस्राइल के ईरान पर हमले में वहां के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इसके बाद पाकिस्तान में कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भी हुई, जिसके बाद सेना प्रमुख ने चेतावनी दी थी कि दूसरे देशों की घटनाओं के आधार पर पाकिस्तान में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिया नेताओं का आरोप मुनीर के इस बयान के बाद शिया नेताओं का आरोप है कि मुनीर ने इन प्रदर्शनों के लिए शिया समुदाय को जिम्मेदार ठहराया, जो गलत और अपमानजनक है। शिया धर्मगुरु मुहम्मद शिफा नजफी ने भी इस पर आपत्ति जताई और कहा कि पूरे समुदाय को एक साथ दोषी ठहराना सही नहीं है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पाकिस्तान की स्थापना करने वाले मोहम्मद अली जिन्ना भी शिया थे और देश में शिया समुदाय की अहम भूमिका रही है। पाकिस्तान की बदलती विदेश नीति भी समझिए गौरतलब है कि पाकिस्तान में शिया समुदाय करीब 15% आबादी का हिस्सा है और ईरान के बाद यहां उनकी सबसे बड़ी संख्या है।

'मैं खुश हूं, वो मर गया', FBI के पूर्व निदेशक रॉबर्ट मुलर के निधन पर बोले डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई के पूर्व निदेशक रॉबर्ट मुलर का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मुलर ने 9/11 के हमलों के बाद एफबीआई को आतंकवाद-रोधी एजेंसी के रूप में बदलने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें विशेष वकील के रूप में रूस और डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति अभियान के बीच संबंधों की जांच का नेतृत्व करने के लिए जाना गया। मुलर के निधन पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मुलर के निधन पर कहा, 'रॉबर्ट मुलर का निधन हो गया है। अच्छा है, मुझे खुशी है कि वह मर गया।' उन्होंने आगे कहा, 'वह अब निर्दोष लोगों को नुकसान नहीं पहुंचा सकते।' कैसा रहा एफबीआई में मुलर का कार्यकाल? रॉबर्ट मुलर ने 11 सितंबर, 2001 के हमलों से ठीक एक सप्ताह पहले एफबीआई निदेशक का पद संभाला था। इस घटना ने तुरंत ही एफबीआई के प्राथमिक लक्ष्य को घरेलू अपराधों को सुलझाने से बदलकर आतंकवाद को रोकने की ओर मोड़ दिया। इस बदलाव ने मुलर और संघीय सरकार के सामने एक अत्यंत कठिन चुनौती पेश की, जहां 100 में से 99 आतंकवादी हमलों को रोकना भी पर्याप्त नहीं माना जाता था। अपने 12 साल के कार्यकाल के दौरान, मुलर ने एफबीआई के मिशन को 21वीं सदी की कानून प्रवर्तन आवश्यकताओं के अनुरूप पुनर्गठित किया। उन्होंने दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के राष्ट्रपतियों के अधीन सेवा की और रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश द्वारा उन्हें नामित किया गया था। रूस जांच में विशेष वकील की भूमिका एफबीआई निदेशक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद मुलर ने सार्वजनिक सेवा में वापसी की। उन्हें उप अटॉर्नी जनरल रॉड रोसेनस्टीन द्वारा ट्रंप-रूस जांच के लिए विशेष वकील नियुक्त किया गया था। इस जांच का उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या ट्रंप के चुनावी अभियान ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के लिए रूस के साथ अवैध रूप से समन्वय किया था। मुलर के नेतृत्व में उनकी टीम ने लगभग दो साल तक इस अहम जांच को गुप्त रूप से संचालित किया। उन्होंने कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की और जांच के दौरान कोई सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराई, भले ही उन्हें ट्रंप और उनके समर्थकों से हमलों का सामना करना पड़ा। रूस जांच की रिपोर्ट और विवाद अप्रैल 2019 में जारी की गई 448 पन्नों की मुलर रिपोर्ट में ट्रंप के चुनावी अभियान और रूस के बीच महत्वपूर्ण संपर्कों का पता चला, लेकिन किसी आपराधिक साजिश का आरोप नहीं लगाया गया। रिपोर्ट में ट्रंप द्वारा जांच को नियंत्रित करने और उसे समाप्त करने के प्रयासों का विवरण दिया गया था। हालांकि, मुलर ने यह तय करने से इनकार कर दिया कि क्या ट्रंप ने कानून तोड़ा है।

इजयरायल में डिमोना के पास मिसाइल दुर्घटना के बाद विकिरण के खतरे की आशंका नहीं: आईएईए

वियना, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की है कि वह डिमोना में मिसाइल घटना की खबरों पर करीबी नजर रख रही है। इज़रायल के संवेदनशील परमाणु अनुसंधान ढांचे में किसी भी तरह का नुकसान नहीं पाया गया है। एजेंसी ने सोशल साइट एक्स पर दिए बयान में कहा कि उसे शहर में मिसाइल के प्रभाव से जुड़ी रिपोर्टों की जानकारी है लेकिन उसे 'नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र को किसी नुकसान का कोई संकेत नहीं मिला है।' यह केंद्र व्यापक रूप से इज़रायल के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा माना जाता है। आईएईए ने बताया कि क्षेत्रीय देशों से मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद किसी भी असामान्य विकिरण स्तर का पता नहीं चला है। महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने 'अधिकतम सैन्य संयम' बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। खासकर परमाणु सुविधाओं के आसपास ताकि ऐसी किसी भी स्थिति से बचा जा सके जो परमाणु सुरक्षा संकट का कारण बन सकती है।

यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है और ईरान में परमाणु ढांचे पर नए हमलों की खबरें सामने आई हैं। आईएईए ने शनिवार को पहले कहा था कि उसे ईरानी अधिकारियों द्वारा नतांज परमाणु सुविधा पर हमले की जानकारी दी गई है। एजेंसी ने पुष्टि की है कि वह स्थिति की जांच कर रही है और उसे बाहरी क्षेत्रों में विकिरण स्तर बढ़ने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। ग्रोसी ने एक बार फिर संयम बरतने की अपील दोहराई और चेतावनी दी कि परमाणु स्थलों के पास जारी सैन्य कार्रवाइयों से गंभीर और संभावित रूप से अपरिवर्तनीय परिणाम हो सकते हैं। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के अनुसार दिन में पहले नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा पर हुए हमले के लिए अमेरिका और इज़राइल जिम्मेदार थे। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि कोई रेडियोधर्मी रिसाव नहीं हुआ है और आसपास रहने वाले लोग खतरे में नहीं हैं। रिपोर्टों के अनुसार, 28 फरवरी से शुरू हुए कथित अमेरिका-इज़राइल संयुक्त अभियान के बाद से ईरान की परमाणु सुविधाओं को बार-बार निशाना बनाया गया है। सप्ताह की शुरुआत में फारस की खाड़ी तट पर बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास भी हमलों की खबरें आई थीं। ईरानी अधिकारियों ने इसे परमाणु से जुड़े स्थलों पर तीसरी ऐसी घटना बताया, इससे पहले नतांज और इस्फहान पर हमले हो चुके हैं। तेहरान ने आईएईए से इन कार्रवाइयों की कड़ी निंदा करने की अपील की है और चेतावनी दी है कि परमाणु ढांचे के पास लगातार हमले 'बहुत गंभीर और चिंताजनक स्थिति' पैदा कर सकते हैं, जिसके वैश्विक प्रभाव हो सकते हैं।

ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक रिहा, विदेश मंत्री मोतेगी ने की पुष्टि

तेहरान, एजेंसी। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को कहा कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है और वह जापान लौट रहा है। मोतेगी ने कहा कि उस व्यक्ति को पिछले साल से हिरासत में रखा गया था और बुधवार को उसे रिहा कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि एक अन्य जापानी नागरिक, जिसे इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था, अभी भी हिरासत में है। ईरान में अभी भी हिरासत में मौजूद व्यक्ति की पहचान जापान के सरकारी प्रसारक एनएचके के एक पत्रकार के रूप में की गई है।

धोनी ने चेपॉक के मैदान पर वर्ल्ड चैंपियंस को किया सम्मानित, सोशल मीडिया पर छाया ये लम्हा

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 से पहले चेपॉक स्टेडियम में हुए खास इवेंट में एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को सम्मानित किया, जहां फैंस को शानदार माहौल और यादगार पल देखने को मिले।

28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 से ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने फैंस के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया। 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में टीम ने मीट एंड ग्रीट इवेंट रखा, जहां मौजूदा खिलाड़ियों के साथ-साथ कई पूर्व दिग्गज भी मौजूद रहे।

धोनी ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। खास तौर पर उन खिलाड़ियों को सम्मान मिला जिन्होंने हाल ही में भारत को विश्व विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह पल फैंस के लिए बेहद खास और यादगार रहा।

सैमसन, दुबे और म्हात्रे का सम्मान

सीएसके के तीन खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संजू सैमसन और शिवम दुबे ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। धोनी ने चेपॉक के मैदान पर इन तीनों को सम्मानित किया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

'रोर 2026' में दिखा दिग्गजों का जमावड़ा

सीएसके ने इस मौके पर 'रोर 2026' नाम से एक भव्य इवेंट भी आयोजित किया। इसमें टीम के कई पूर्व खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें अंबाती रायडू, मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, लक्ष्मीपति बालाजी और मुथैया मुरलीधरन शामिल रहे। सभी खिलाड़ियों ने मिलकर पुराने यादगार पलों को ताजा किया और हल्के-फुल्के अंदाज में एक-दूसरे के साथ समय बिताया। इस इवेंट के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

आईपीएल 2025 का खराब प्रदर्शन

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का सीजन बेहद निराशाजनक रहा था। टीम ने 14 मैचों में केवल 4 जीत दर्ज की और पॉइंट्स टेबल में आखिरी स्थान पर रही। यह प्रदर्शन टीम और फैंस दोनों के लिए निराशाजनक रहा।

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स अपने अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगी। टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करने की कोशिश करेगी। अब सभी की नजर इस बात पर है कि सीएसके इस सीजन में कैसा प्रदर्शन करती है और क्या वह अपनी पुरानी लय में लौट पाती है।

सीएसके ने रैना और हेडन को हॉल ऑफ फेम अवार्ड से सम्मानित किया

चेन्नई (एजेंसी)। पांच बार कि आईपीएल खिताब विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 वें सत्र की शुरुआत से पहले प्रतिष्ठित हॉल ऑफ फेम पुरस्कार दिये। चेपॉक स्टेडियम में आयोजित 'रोर 26' नाम के एक कार्यक्रम में ये पुरस्कार टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुरेश रैना और मैथ्यू हेडन दो दिया गया। रैना, सीएसके में ÷चिन्ना थाला÷ के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। वह सीएसके की ओर से सबसे बड़े मैच विजेता माने जाते हैं। उन्होंने साल 2008 से 2021 तक टीम की ओर से 2010, 2011, 2018 और 2021 में जीत हासिल की है। रैना अभी भी सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5,529 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 2014 चैंपियंस लीग टी20 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता था।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबा हेडन ने साल 2008 से 2010 तक सीएसके की ओर से खेलते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हेडन साल 2009 में सीएसक की ओर से औरेंज कैप जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने 572 रन बनाए थे। उन्होंने सीएसके की ओर से कुल 1,117 रन बनाए और 8 अर्धशतक लगाए। वह 2010 में आईपीएल जीतने वाली टीम में भी शामिल थे। 'रोर 26' इवेंट इस समारोह में मुथेया मुरलीधरन , अंबाति रायडू सहित पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए।

मुझे 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पसंद नहीं है, आईपील2026 से पहले अक्षर पटेल ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स (DC) के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम 10 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में ऑलराउंडरों की भूमिका को कम कर देता है, जिसका 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है।

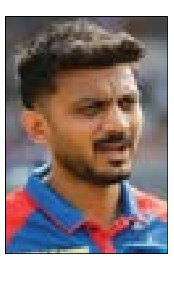

'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को 2023 में लागू किया गया था जो सभी 10 IPL टीमों को मैच की किसी भी पारी में एक बल्लेबाज या गेंदबाज को बदलने की अनुमति देता है। अक्षर ने कहा, 'सच कहूं तो, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं। पहले, आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए एक ऑलराउंडर को चुनते थे। लेकिन इस नियम की वजह से, टीम मैनेजमेंट किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है, यह सोचकर कि 'हमें ऑलराउंडर की क्या ज़रूरत है?' क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं, इसलिए मुझे यह नियम पसंद नहीं है। साथ ही, नियम तो नियम होते हैं और हमें उनका पालन करना होता है। हालांकि, व्यक्तिगत दृष्टिकोण से मुझे यह नियम पसंद नहीं है।' DC अपना IPL 2026 अभियान एक अप्रैल को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शुरू करेगा। यह पहली बार नहीं है जब अक्षर ने इस नियम के बारे में अपनी नाराजगी जाहिर की है। 2024 में ष्ठष्ट के उप-कप्तान के तौर पर अक्षर ने कहा था कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से उनकी बल्लेबाजी की पोजिशन प्रभावित हुई थी। IPL करियर में 7.3 की इकॉनमी रेट होने के बावजूद अक्षर का पिछला साल गेंदबाज़ी के लिहाज़ से सबसे कमज़ोर रहा - 2019 में DC में शामिल होने के बाद से यह उनका सबसे खराब सीजन था। उन्होंने 11 पारियों में 8.5 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए और सिर्फ 5 विकेट लिए। उन्होंने साफ किया कि पिछले साल गेंदबाजी में उनका खराब प्रदर्शन 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से नहीं, बल्कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सफल अभियान के दौरान लगी उंगली की चोट की वजह से था।

भारत की स्टार क्रिकेटर को मिला फरवरी महीने की 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

दुबई (एजेंसी)। भारत की स्टार क्रिकेटर अरुंधति रेड्डी को फरवरी महीने के आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के पुरस्कार से नवाजा गया है। अरुंधति को यह पुरस्कार ऑस्ट्रेलिया में भारत की यादगार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया है। यह मासिक पुरस्कार रेड्डी के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पुरस्कार है।

तेज गेंदबाज अरुंधति ने इस सम्मान पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सचमुच एक बहुत बड़ा सम्मान है और यह और भी खास इसलिए है क्योंकि मुझे ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज जीतने में योगदान देने का मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया को उसके अपने घर में हराना कभी आसान नहीं होता और इसी वजह से यह पुरस्कार मेरे लिए और भी ज्यादा मायने रखता है। अइस सीरीज जीत से हमारी टीम का आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है, क्योंकि हम इस गर्मी में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं। हमारी टीम काफी संतुलित है। और मुझे पूरा यकीन है कि हम इस टूर्नामेंट में एक ऐसी टीम साबित होंगे जिस पर सबकी नजरें टिकी होंगी।'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में रेड्डी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। उन्होंने 10.87 की औसत से कुल आठ विकेट लिए और 7.25 की इकॉनमी रेट बनाए रखी। इस दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ने सिडनी में खेले गए पहले ही मैच से अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया था। उस मैच में उन्होंने अपने करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट लिए थे, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार भी मिला था।

28 साल की इस गेंदबाज ने अगले दो मैचों में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने कैनबरा में 30 रन देकर 2 विकेट और एडिलेड में खेले गए सीरीज के निर्णायक मैच में 35 रन देकर दो विकेट लिए। भारत की इस ऐतिहासिक जीत में रेड्डी के योगदान की भूमिका निर्णायक रही। भारत ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। जो 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारत की पहली टी-20 सीरीज जीत थी।

एलएसजी खिलाड़ियों ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए

लखनऊ। लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन ने शनिवार सुबह राम मंदिर अयोध्या पहुंच कर रामलला के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान टीम के मालिक संजीव गोयनका के साथ ग्लोबल क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी, मुख्य कोच जस्टिन लैंगर, सहायक कोच भारत अरुण और टीम के कप्तान रिषभ पंत समेत कई खिलाड़ियों ने विधिवत पूजा की। टीम के अन्य खिलाड़ियों में मयंक यादव, हिम्मत सिंह, आकाश सिंह, अक्षत रघुवंशी, प्रिंस यादव, अर्शीन कुलकर्णी, नमन तिवारी और मुकुल चौधरी भी मौजूद रहे। सभी ने भगवान श्रीराम के चरणों में नमन कर सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। डॉ. गोयनका ने कहा कि भगवान राम का आशीर्वाद मिलने से सभी कार्य सफल होते हैं और सभी ने उनकी शरण में आकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर प्रबंधन की ओर से खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को प्रसाद तथा रामनामी अंगवस्त्र भेंट किए गए और राम दरबार के दर्शन भी कराए गए। मंदिर परिसर में रिषभ पंत और अन्य खिलाड़ियों को देखकर प्रशंसकों में उत्साह देखने को मिला और लोगों ने उनके साथ सेल्फी ली। इस बीच, टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों ने ईद का त्योहार भी आपसी सौहार्द के साथ मनाया। सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मोहम्मद शमी,मोहसिन खान,आवेश खान,शाहबाज अहमद और अब्दुल समद सहित अन्य खिलाड़ियों ने भी एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और विशेष व्यंजनों का आनंद लिया।

केकेआर ने प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फेंचाइजी से इसे खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है। एक नए, आधुनिक अंदाज़ में डिज़ाइन की गई यह जर्सी, टीम की पहचान से जुड़ी रहते हुए भी एक जीवंत, गर्मियों के लिए तैयार अपील रखती है। इसकी सबसे खास बात इसका टाइगर-प्रिंट पैटर्न है, जो बंगाल टाइगर से प्रेरित है - यह उस शक्ति, फुर्ती और निडर भावना का प्रतीक है जो टीम और इस क्षेत्र, दोनों की पहचान है। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स की मुख्य कार्यकारी बिंदा डे ने कहा, 'प्रैक्टिस जर्सी पर हमारे फैंस की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी और इसने सचमुच उस गहरे जुड़ाव की पुष्टि की जो वे ब्रांड के साथ साझा करते हैं। हमने प्रैक्टिस जर्सी के लिए स्पष्ट मांग देखी और महसूस किया कि इसे उपलब्ध कराना ही सही होगा। एक परिष्कृत, गर्मियों के लिए तैयार रंग-रूप में फिर से डिज़ाइन की गई और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार की गई, कोलकाता नाइट राइडर्स की प्रैक्टिस जर्सी उस अनुशासन और तीव्रता को दर्शाती है जो केकेआर की पहचान है।'

मैनचेस्टर सिटी ने जीता ईएफएल कप का खिताब, फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराया

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी ने ईएफएल कप फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराते हुए खिताब को अपने नाम किया। मैनचेस्टर की तरफ से फाइनल में निको ओ'रेली ने दूसरे हाफ में चार मिनट के अंदर दो गोल करते हुए टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

मैनचेस्टर सिटी ने यह 9वीं लीग ट्रॉफी जीती है। सिटी से ज्यादा खिताब अब सिर्फ लिवरपूल के नाम है। पेप गार्डियोला ने मैनचेस्टर सिटी मैनेजर के तौर पर यह मशहूर ट्रॉफी पांच बार जीती है, जो इंग्लिश फुटबॉल में एक रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा सफलता पाने वाले मैनेजर के तौर पर ब्रायन क्लॉ, सर एलेक्स फर्ग्यूसन और जोस मोरिन्हो (जिन्होंने सभी ने चार-चार जीते) से आगे निकल गए हैं।

काराबाओ कप सिटी बॉस के तौर पर पेप की पहली ट्रॉफी थी, जिसमें उन्होंने 2018 में आर्सेनल को 3-0 से हराया था। उन्होंने अब उस विरासत में एक और नाम जोड़ लिया है और 1960 में प्रतियोगिता की शुरुआत के बाद से सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं। हाफ टाइम के बाद सिटी ने आर्सेनल के मुकाबले ज्यादा बेहतर खेल दिखाया। मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आर्सेनल की टीम खिताबी मुकाबले में संघर्ष करती हुई नजर आई, जिसका पूरा फायदा सिटी ने उठाया।

पूरे सीजन मैनचेस्टर सिटी की शानदार कप्तानी करने वाले कप्तान बर्नार्डो सिल्वा ने टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने टीम की इस सफलता को सभी के लिए खास पल बताया। उन्होंने कहा, ÷यह सिटी में सभी के लिए बहुत गर्व का पल है। हमें यह प्रतियोगिता पसंद है और इस सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले आर्सेनल को हराकर इसे जीतना वाकई खास है।

मैनचेस्टर सिटी अब एक इंटरनेशनल ब्रेक पर होगी। टीम अब अपना अगला मुकाबला 4 अप्रैल को एफए कप के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लिवरपूल के खिलाफ खेलेगी। गार्डियोला की टीम अगले हफ्ते चेल्सी में होने वाले प्रीमियर लीग पर ध्यान देगी। मैनचेस्टर सिटी प्रीमियर लीग टाइटल की दौड़ में बनी हुई है। गार्डियोला की टीम अभी टॉप पर काबिज आर्सेनल से 9 प्वाइंट पीछे है और उन्हें अभी एक मुकाबला खेलना है।

इंग्लैंड टीम में एजे की जगह न्यूकैसल के बार्न्स शामिल

लंदन। न्यूकैसल के विंगर हार्वे बार्न्स को थॉमस टुचेल की इंग्लैंड टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने घायल आर्सेनल मिडफील्डर एबेरेची एजे की जगह ली है। एजे रविवार को मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ काराबाओ कप फाइनल में आर्सेनल की 2-0 से हुई हार वाली टीम में शामिल नहीं थे। उन्हें पैर के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। बार्न्स को इससे पहले भी अक्टूबर 2020 में टीम में बुलाया गया था। उस समय उन्होंने वेल्स के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में इंग्लैंड के लिए अपना एकमात्र मैच खेला था। स्कॉटलैंड ने बार्न्स को अपनी अंतरराष्ट्रीय निष्ठा बदलने और इस गर्मी में होने वाले विश्व कप में स्टीव क्लाक 'की टीम के लिए खेलने के लिए मनाने की कोशिश की थी। 28 वर्षीय बार्न्स अपने दादा-दादी के कारण स्कॉटलैंड की ओर से खेलने के योग्य थे। लेकिन बार्न्स ने स्कॉटलैंड के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अब उन्हें उरुग्वे और जापान के खिलाफ होने वाले फ्रेंडली मैचों के लिए टुचेल की टीम में बुलाया गया है। इन मैचों में कई ऐसे खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा जो टीम में अपनी नियमित जगह बनाने की दौड़ में हैं। 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) का मुकाबला 27 मार्च को उरुग्वे और 31 मार्च को जापान से होगा। ये दोनों मैच वेम्बली स्टेडियम में खेले जाएंगे। बार्न्स ने इस सीजन में न्यूकैसल के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 14 गोल किए हैं।

विराट ने आईपीएल से पहले आरसीबी को किया सावधान, सभी टीमें हमें हराना चाहेंगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि इस बार का सत्र पहले से कठिन होगा। इसलिए टीम के सभी खिलाड़ियों को और अधिक गंभीरत से खेलना होगा। विराट ने कहा कि इस बार सभी टीमें आरसीबी को हराने का लक्ष्य लेकर उतरेंगी क्योंकि वह मौजूदा चैम्पियन है। ऐसे में सभी टीमें हमारे खिलाफ अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल में आरसीबी का पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। आरसीबी के शेयर किए गए एक वीडियो में विराट टीम के खिलाड़ियों से बात करने के दौरान उन्हें उत्साहित करते दिखे। उन्होंने कहा कि पिछले 2 से 3 सत्र में टीम ने काफी मेहनत की है और उसी मेहनत के कारण उन्हें पिछले सत्र में खिताबी जीत मिली थी।

विराट ने खिलाड़ियों से कहा कि इस बार चुनौती और बड़ी होगी, इसलिए शुरुआत से ही पूरी ताकत से खेलना होगा। कोहली ने कहा, हमने पिछले 2-3 साल में जो हासिल किया, उसके लिए बहुत मेहनत की पर अब चुनौती और कठिन होने वाली है क्योंकि बाकी टीमें हमें हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी। हमें अभी से स्विच ऑन होना होगा और हर सेशन में आना सौ फीसदी से अधिक देना होगा।

RCB ने साल 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। तब उसने फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था। अब टीम IPL 2026 में अपने खिताब का बचाव करने का पूरा प्रयास करेगी और लगातार दूसरी ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेगी। टीम के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि इस बार नीलामी में टीम ने काफी अच्छे खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिससे टीम पहले से ज्यादा बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि नए खिलाड़ियों को टीम के माहौल में ढालना और सीनियर खिलाड़ियों के साथ सही तालमेल बनाना इस सत्र में सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। गौरतलब है कि विराट आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने आईपीएल में 267 मैचों में 8661 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 63 अर्धशतक शामिल हैं। आईपीएल में अब विराट कोहली इस सत्र मे भी अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही नये रिकार्ड अपने नाम करना चाहेंगे।

आरसीबी को शुरुआती मैचों में हेजलवुड की कमी खलेगी : श्रीकांत

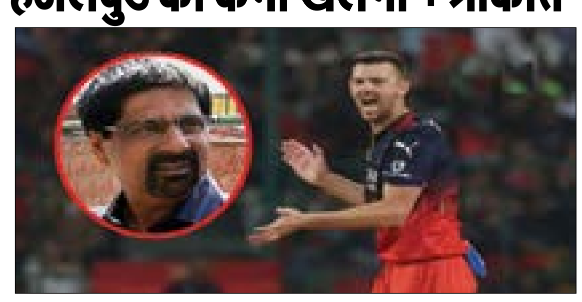

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2026 में शुरुआती मैच में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की कमी खेलेगी। इसका कारण है कि पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण हेजलवुड शुरु के मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी के लिए हेजलवुड की कमी पूरी करना आसान नहीं रहेगा। श्रीकांत ने कहा है कि इस तेज गेंदबाज का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेजलवुड ने पिछले सत्र में 12 मैचों में 22 विकेट लिए थे। तब उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 33 रन देकर 4 विकेट था। यही वजह है कि श्रीकांत ने हेजलवुड के नहीं होने को आरसीबी के लिए करारा झटका माना है। हेजलवुड चोटिल होने के कारण पिछले साल नवंबर के बाद से ही पेशेवर क्रिकेट से दूर हैं। वह एशेज सीरीज और टी20 विश्वकप भी नहीं खेल पाये। हैमस्ट्रिंग के बाद उनको एंकल इंजरी का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने एक वीडियो में कहा, हेजलवुड का न होना एक बड़ा झटका है। अगर वह दो सप्ताह भी फिट नहीं होते, तो भी वे वहां तीन से चार मैच खेल लेते। उनके बिना, टीम की गेंदबाजी कमजोर हो जाएगी। उनका कोई भी विकल्प नहीं है। जैकब डफी भी खराब गेंदबाज नहीं है पर विश्व कप में वह विफल रहे थे। यह देखना होगा कि वह आईपीएल में चल पाते है या नहीं।उन्होंने साथ ही कहा, हेजलवुड के बिना आरसीबी की 25 फीसदी उम्मीद कम हो वह न सिर्फ गेम-चेंजर हैं, बल्कि मैच-विजेता भी हैं। वह जो डर पैदा करता हैं, वह बुमराह जैसा ही है। हेजलवुड उस शानदार टेस्ट मैच लेंथ पर गेंदबाजी करते हैं, जहां बल्लेबाज आगे या पीछे नहीं जा सकता।

धोनी के इस बार आईपीएल से संन्यास लेने की अटकलें तेज हुईं

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी 44 साल के हो गये हैं। ऐसे में उनके संन्यास की अटकलें जोर पकड़ती जा रही हैं। इस बार माना जा रहा है कि वह अंतिम बार लीग से खेलते दिखेंगे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जब वह स्टेडियम में पहुंचे तो हर तरफ से 'थाला थाला' सुनाई देना लगा। उनकी आवाज सुनकर प्रशंसक भी भावुक दिखे। वहीं धोनी पूर्व क्रिकेटरों सुरेश रैना और डीजे ब्रावो के साथ नजर आये। इससे भी प्रशंसकों को लगा रहा है कि ये धोनी का अंतिम आईपीएल रहेगा।

प्रशंसक सीएसके के 'रोर 26' इवेंट के लिए स्टेडियम में पहुंचे थे। कुछ सीएसके खिलाड़ियों ने मैदान पर अभ्यास किया, वहीं कुछ बातें करते दिखे। वहीं पहली बार टीम में शामिल जब नए खिलाड़ी संजू सैमसन जब मैदान में आए, तब भी जोरदार तालियां बज उठीं। धोनी आईपीएल में अपना 19वां सत्र खेलने जा रहे हैं। उनकी ताकत पहले जैसी नहीं रही पर सीएसके के लिए वह आज भी सबसे कीमती खिलाड़ी हैं हालांकि अब वह निचले स्तर पर ही बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। वहीं चेन्नई के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि धोनी का ये अंतिम आईपीएल रहेगा।

उथप्पा ने कहा, 'आईपीएल 2026 शायद उनका आखिरी साल होगा। मुझे लगता है कि इस साल वह मेंटर-कम-खिलाड़ी की भूमिका में रहेंगे। मुझे नहीं लगता कि वह इस बार नंबर सात पर बल्लेबाजी करेंगे। मुझे लगता है कि वह नंबर आठ पर बल्लेबाजी करेंगे। वह जानते हैं कि वह धीरे-धीरे बाहर हो रहे हैं, इसलिए अपनी को टीम से अलग कर रहे हैं ताकि उनके बिना भी टीम जीत सके। वह जानते हैं कि तभी कप्तान के तौर पर रुतुराज गायकवाड़ की क्षमता का पता चल सकेगा।'

असली आज़ादी

एकता कपूर लॉन्च करेंगी 'हुनर' कलाकारों को मिलेगा नया मंच

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री को कई बड़े सितारे देने वाली प्रोड्यूसर एकता कपूर अब टैलेंट मैनेजमेंट की दुनिया में भी कदम रख रही हैं। उनके नेतृत्व वाली कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने नए टैलेंट मैनेजमेंट वेंचर 'हुनर' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नई कंपनी खास तौर पर कलाकारों को निखारने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कहानी कहने और परफॉर्मेंस के कल्चर को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई है। 'हुनर' का मकसद बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के स्थापित कलाकारों के साथ-साथ नए क्रिएटर्स और एक्टर्स को भी एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना है, जहां उन्हें सही दिशा और मौके मिल सकें।

कंपनी के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म टैलेंट को सिर्फ रिप्रेजेंट करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कलाकारों की आर्टिस्टिक ग्रोथ पर भी काम करेगा। यहां कलाकारों को सही गाइडेंस, बेहतर अवसर और एक क्रिएटिव माहौल दिया जाएगा, जिससे वे अपने हुनर को निखार सकें और यादगार कहानियों का हिस्सा बन सकें। नए वेंचर के बारे में बात करते हुए एकता कपूर ने कहा कि बालाजी टेलीफिल्म्स में हमेशा से यह विश्वास रहा है कि टैलेंट तभी चमकता है, जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। उनके मुताबिक, 'हुनर' के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने की कोशिश है, जहां कलाकारों को सिर्फ मैनेज नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें समझा भी जाएगा।

उन्होंने कहा कि कंपनी का मकसद कलाकारों को सोच-समझकर गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के हिसाब से मौके तलाशने में मदद करना और उनके लंबे समय तक विकास में साथ देना है। एकता के अनुसार, यह पहल कलाकारों को एक्सपेरिमेंट करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का मौका देगी। इस नए वेंचर के लॉन्च को सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित फेयरमोंट मुंबई में एक एक्सक्लूसिव 'हुनर लॉन्च पार्टी' का आयोजन किया जाएगा। इस खास शाम में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारे, क्रिएटर्स, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे।

एकता कपूर लंबे समय से नए टैलेंट को मौका देने के लिए जानी जाती हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस ने इंडस्ट्री को कई बड़े कलाकार दिए हैं। ऐसे में 'हुनर' के जरिए वह अपने इसी विजन को और आगे बढ़ा रही हैं।

इस पहल के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स न सिर्फ कहानी कहने की अपनी विरासत को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच भी तैयार कर रहा है, जहां वे सीख सकें, बढ़ सकें और अपनी पहचान बना सकें।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया भट्ट

करण बोले- मुझे तुम पर गर्व है

बॉलीवुड में लंबे समय से 'इनसाइडर वर्सेस आउटसाइडर' की बहस चलती रही है। ऐसे में जब भी कोई बड़ा स्टार नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की बात करता है तो वह चर्चा का विषय बन जाता है। अब इसी कड़ी में अभिनेत्री आलिया भट्ट का बयान सामने आया है, जिसने इस बहस को एक नई दिशा दे दी है। आलिया ने कहा कि वह अपने प्रोडक्शन के जरिए आउटसाइडर्स को लॉन्च करेंगी। दरअसल, आलिया भट्ट शुक्रवार को अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म 'डोंट बी शाई' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं। यह फिल्म अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के एक बड़े इवेंट के दौरान पेश की गई, जहां कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा भी हुई। इसी दौरान स्टेज पर आलिया और फिल्ममेकर करण जौहर के बीच एक दिलचस्प बातचीत देखने को मिली, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। इवेंट में करण जौहर ने हल्के-फुल्के अंदाज में आलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने कहा, ''आलिया, आपने सच में प्रोड्यूसर होने की कला में महारत हासिल कर ली है, क्योंकि आपके जवाब मेरे सवालों से बहुत अलग लगते हैं।''

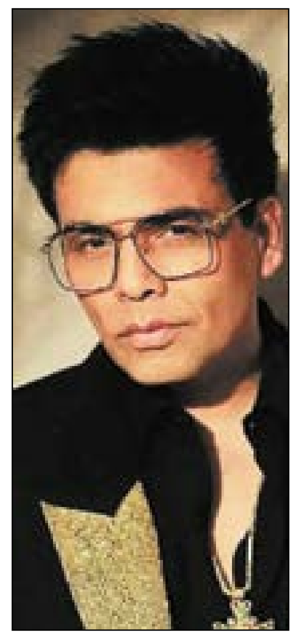

आलिया ने इसका जवाब देते हुए कहा, ''हां करण, क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है।''

करण जौहर ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह कहते हुए कि उन्होंने जब आलिया को अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बारे में याद दिलाया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए उन्हें लॉन्च किया था तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, ''अच्छा, मैं क्या कह सकती हूं? सबसे अच्छे लोगों ने हमें हमेशा सिखाया है कि हर चीज की एक टाइमिंग होती है।'' इसी दौरान करण जौहर ने एक अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे 'आउटसाइडर्स' हैं। इस पर आलिया ने बिना किसी हिचकिचाहट के 'हां' कहा। यह जवाब सुनकर करण जौहर ने कहा कि मुझे आप पर गर्व है आलिया। अगर फिल्म 'डोन्ट बी शाई' की बात करें तो यह एक युवा लड़की श्यामिली 'शाई' दास की कहानी है, जो 20 साल की है और अपनी जिंदगी के सभी फैसले खुद करती है। उसे लगता है कि उसने सब कुछ प्लान कर लिया है, लेकिन अचानक उसकी जिंदगी में ऐसे बदलाव आते हैं जो उसे पूरी तरह से हिला देते हैं। यह कहानी एक साधारण लड़की के असाधारण सफर को दिखाती है, जिसमें भावनाएं, संघर्ष और आत्मविश्वास की झलक देखने को मिलेगी। यह फिल्म आलिया भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनाई जा रही है।

वाराणसी के बाद संदीप रेड्डी वांगा की 'डेविल' में दिख सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बड़े बजट की फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्मी गलियारों में चर्चा तेज है कि 'वाराणसी' के बाद महेश निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ नई फिल्म कर सकते हैं। फिलहाल वह 'स्पिरिट' की तैयारियों में व्यस्त हैं, रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने 'डेविल' टाइटल से एक दमदार स्क्रिप्ट भी तैयार कर रखी है। बताया जा रहा है कि यह संभावित फिल्म एक इंटेंस और डार्क थ्रिलर हो सकती है।

करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ने लिखा खास संदेश

मृणाल ठाकुर का फिल्मी करियर दस साल का हो गया है। उनकी पहली फिल्म 'लव सोनिया' आज से दस साल पहले रिलीज हुई थी। पहली ही फिल्म में मृणाल के अभिनय को पसंद किया गया था। अब आज इंडस्ट्री में अपने दस साल पूरे होने पर एक्ट्रेस ने 'लव सोनिया' के समय को याद किया। साथ ही उन्होंने 'लव सोनिया' के फैंस के लिए एक सरप्राइज भी दिया। 19 मार्च को अपनी पहली फिल्म 'लव सोनिया' और अपने करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। पोस्ट में मृणाल ने अपने शुरुआती दिनों के बारे में एक बेहद निजी संदेश लिखा। फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज से दस साल पहले... मैंने पहली बार फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक सपना, एक शुरुआत, एक ऐसा जीवन जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं हमेशा आभारी रहूंगी।' इस दौरान अपनी पोस्ट में मृणाल ठाकुर ने फैंस के लिए खास घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि 'लव सोनिया' के कुछ अनदेखे डिलीट किए गए सीन ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक्ट्रेस ने कहा कि 24 घंटे में पहली बार हम 'लव सोनिया' के नौ अनदेखे डिलीट किए गए सीन रिलीज करेंगे।

तबरेज नूरानी द्वारा निर्देशित 'लव सोनिया' 2016 में निर्माण शुरू होने के बाद 2018 में रिलीज हुई थी। वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म सोनिया की उस जर्नी को दर्शाती हैं, जिसमें वह अपनी बहन प्रीति को बचाने की कोशिश करती है। जिसे अंतरराष्ट्रीय यौन तस्करी में बेच दिया गया था। कहानी में तब एक भयावह मोड़ आता है, जब सोनिया खुद इस जाल में फंस जाती है।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। खास बातचीत में दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही 'पूरी' होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, 'चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।' समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, 'तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

प्रियन सर के साथ काम करना मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में राजपाल यादव भी नजर आएंगे। तीनों की यह तिकड़ी पहले 'भूल भुलैया' में काम कर चुकी है। राजपाल कहते हैं कि 'भूत बंगला' की कहानी सिर्फ एक हॉरर कॉमेडी नहीं, बल्कि एक रहस्य से भरी दुनिया है। टीजर में दिखाया गया 'वधुसुर' और मंगलपुर की हवेली दरअसल उस बड़े रहस्य की झलक भर है।' करीब 25 साल के करियर में सैकड़ों किरदार कर चुके राजपाल खुद को आज भी छात्र ही मानते हैं। वह कहते हैं कि 'जब एक्टर किरदार की सोच को समझ लेता है तो उसकी बॉडी लैंग्वेज अपने आप बदल जाती है। मैं कभी किसी की नकल नहीं करता हूं।'

राजपाल बताते हैं कि, 'प्रियदर्शन के साथ मेरा रिश्ता दो दशक से भी पुराना है। मैंने कभी उनसे स्क्रिप्ट तक नहीं पूछी। जब भी उनका फोन आता है, सिर्फ यही कहते हैं- 'राजपाल, आना है...' तो मैं बिना कुछ पूछे सेट पर पहुंच जाता हूं।

इस फिल्म में हॉरर और कॉमेडी दोनों है। प्रियदर्शन सर के साथ काम करना किसी यूनिवर्सिटी में मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा है। जहां हर एक्टर छात्र होता है।'

'छोटा पंडित' के बाद मेरा नया किरदार भी दर्शक पसंद करेंगे

'भूल भुलैया' के बाद से 'छोटा पंडित' के नाम से भी लोकप्रियता मिली। इस पर राजपाल का कहना है कि 'कोई दबाव महसूस नहीं होता। एक कलाकार के लिए हर किरदार 'रसगुल्ले' की तरह होता है, छोटा हो या बड़ा उसका स्वाद मीठा ही होता है।

'भूत बंगला' में भी मेरा किरदार बारीकी से गढ़ा गया है और प्रियदर्शन सर ने इसमें आम आदमी के ऐसे शेड्स दिए हैं, जिनसे दर्शक आसानी से जुड़ पाएंगे और पसंद भी करेंगे।'

'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर ही डर पैदा करता है

बकौल राजपाल, 'किसी भी फिल्म में लोकेशन सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि एक किरदार होती है। जहां 'भूल भुलैया' की हवेली में राजपूताना ठाठ और रहस्य का माहौल था, वहीं 'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर और अंधेरा अपने आप में अलग तरह का डर पैदा करता है। प्रियदर्शन सर ने इसे ब्यूटीफुल हॉरर की तरह ट्रीट किया है, जिससे दर्शकों को लगेगा कि वे खुद उस बंगले के भीतर मौजूद हैं।'

अक्की पाजी के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा

अक्षय के साथ फिर से काम करने को लेकर राजपाल कहते हैं कि 'अक्की पाजी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह हर वक्त लाइव एक्टर जैसे रहते हैं। कैमरा ऑन हो या ऑफ, सेट पर उनका एनर्जी लेवल वही रहता है। शॉट के बीच भी दोनों कलाकार लगातार रिहर्सल करते रहते हैं और सीन में छोटे-छोटे इम्प्रोवाइजेशन जोड़ते हैं ताकि सीन और ज्यादा जीवंत बन सके। अक्षय के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा अनुभव होता है।'

दमण कलेक्ट्रेट में मनाया गया बिहार राज्य का स्थापना दिवस

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दमण 23 मार्च।
संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत दमण कलेक्ट्रेट में आज बिहार राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया। 22 मार्चा 2026 को बिहार राज्य का स्थापना दिवस था, जिसे दमण में 23 मार्च को मनाया गया। इस दौरान बिहार के स्थापना दिवस को याद किया गया। इस अवसर पर दमण जिले में बिहार क्षेत्र के रहने वाले जाने-माने लोगों को दमण डिप्टी कलेक्टर(जनरल) द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर दमण डिप्टी कलेक्टर ने बिहार के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को अपने समृद्ध इतिहास, संस्कृति और विरासत पर गर्व है। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच बातचीत को बढ़ाना और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे अवसरों को मनाने से भाषा सीखने, संस्कृति, परंपरा, संगीत, पर्यटन, व्यंजन, खेल और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने जैसे क्षेत्रों में स्थायी और संरचित सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

दमण नगरपालिका क्षेत्र में बिना वैध व्यावसायिक लाइसेंस के संचालित कई दुकानें सील

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दमण 23 मार्च।
दमण नगरपालिका ने एक प्रवर्तन अभियान चलाया, जिसके दौरान बिना वैध व्यावसायिक लाइसेंस के संचालित हो रही 8 से 10 दुकानों को सील कर दिया गया। दमण नगरपालिका द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि नगरपालिका विनियमों के अनुसार, उसके अधिकार क्षेत्र में संचालित होने वाले सभी प्रतिष्ठानों के लिए व्यावसायिक लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। इसी के तहत दमण नगर पालिका प्रशासन द्वारा शहर में बिना लाइसेंस के चल रही 10 व्यवसायिक दुकानों को सील कर दिया गया। यह कार्रवाई कानून का पालन सुनिश्चित करने और उचित विनियामक मानकों को बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। इस तरह के प्रवर्तन अभियान तब तक जारी रहेंगे, जब तक परिषद के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार आवश्यक व्यावसायिक लाइसेंस प्राप्त नहीं कर लेते। संबंधित सभी दुकान मालिकों और व्यावसायिक संचालकों को यह सलाह दी जाती है कि वे ऐसी ही कार्रवाई से बचने के लिए जल्द से जल्द लाइसेंस संबंधी आवश्यकताओं का पालन करें।

खेल एवं युवा मामले विभाग अप्रैल एवं मई में निःशुल्क जिम एवं फिटनेस प्रशिक्षण शिविर का करेगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 23 मार्च। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के खेल एवं युवा मामले विभाग द्वारा राष्ट्रव्यापी फिट इंडिया अभियान के अनुरूप अप्रैल एवं मई 2026 के दौरान संघ प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क जिम एवं फिटनेस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल प्रशासक प्रफुल पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व एवं विजन के तहत संघ प्रदेश में खेल एवं फिटनेस गतिविधियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के उद्देश्य से की जा रही है। प्रशासक के मार्गदर्शन में संघ प्रदेश में विभिन्न खेलों से संबंधित निरंतर नवाचारपूर्ण एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जो युवाओं को स्वस्थ, सक्रिय एवं सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों में वैज्ञानिक जिम प्रशिक्षण, शारीरिक फिटनेस तथा समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वर्तमान समय में बढ़ती निष्क्रिय जीवनशैली एवं घटती रोग प्रतिरोधक क्षमता को ध्यान में रखते हुए यह पहल नियमित व्यायाम, आधुनिक जिम तकनीक, फिटनेस रूटीन तथा अनुशासित जीवनशैली को प्रशिक्षित मार्गदर्शन में बढ़ावा देने हेतु की जा रही है। यह जिम एवं फिटनेस प्रशिक्षण शिविर खेल एवं युवा मामले विभाग जिम, फोर्ट दमण (मोटी दमण) में आयोजित किया जाएगा, जहां पुरुष प्रशिक्षक हर्ष पटेल (संपर्क 89807 38824) एवं महिला प्रशिक्षक करिश्मा चौहान (संपर्क 81606 17203) उपलब्ध रहेंगे। इसी प्रकार पद्मभूषण स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, दीव में पुरुष प्रशिक्षक पंकज बामणिया (संपर्क 79843 88509) एवं महिला प्रशिक्षक सरोज (संपर्क 8866755183) प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। दादरा नगर हवेली के खुटली, खानवेल केंद्र पर पुरुष प्रशिक्षक ओबेड एंड्रूज (संपर्क 95747 98918) तथा महिला प्रशिक्षक जयामती तुम्बडा (संपर्क 70669 89668) द्वारा जिम एवं फिटनेस प्रशिक्षण दिया जाएगा। आयु वर्ग अनुसार प्रशिक्षण समय-सारणी निम्नानुसार निर्धारित की गई है, जिसमें 10 से 14 वर्ष के लिए सुबह 9 से 10 बजे तक, 14 से 18 वर्ष के लिए सायं 4 से 5 बजे तक तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए सायं 5 से 6 बजे तक आयोजित होगा। सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों एवं निजी फिटनेस क्लबों से अनुरोध है कि अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु इस जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। इच्छुक प्रतिभागी संबंधित जिम प्रशिक्षकों से सीधे संपर्क कर पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण उपरांत विस्तृत निर्देश एवं बैच की पुष्टि की जाएगी। यह पहल संघ प्रदेश में सुदृढ़ जिम संस्कृति को बढ़ावा देने, शारीरिक सहनशक्ति एवं फिटनेस स्तर में वृद्धि करने तथा स्वस्थ एवं फिट समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दलवाडा में भंगार के गोडाउन में लगी आग, प्लास्टिक का माल-सामान जलकर खाक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दमण 23 मार्च।
दलवाडा के वैदिक डेंटल कॉलेज के पीछे स्थित भंगार के गोडाउन में आज अचानक आग लग गई। मिली जानकारी अनुसार अज्ञात कारणों से लगी इस आग से भंगार के गोडाउन में रखे लगभग 10 टन प्लास्टिक का माल-सामान जलकर खाक होगा। इस आगजनी की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाडियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। वहीं दमण डिजास्टर मैनेजमेंट की टीम ने पास की चाल में से गैस कनेक्शन की आपूर्ति को रोक दिया था ताकि और कोई बड़ी घटना न घटित हो। इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई है। सूचना मिलते ही मौके पर एंबुलेंस, दमकल दस्ता एवं डिजास्टर मैनेजमेंट की टीम पहुंच गई थी।

दानह में माय विलेज चैलेंज के लिए आयोजित होगी शॉर्ट वीडियो/रील प्रतियोगिता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
सिलवासा 23 मार्च।
भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विकसित भारत जी राम जी 2025 से युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से माय भारत पोर्टल के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से देशभर के युवाओं के लिए वीडियो चैलेंज, क्विज तथा विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर इस डिजिटल जनआंदोलन से जुड़ने का आह्वान किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत माय विलेज चैलेंज के नाम से राष्ट्रीय स्तर पर शॉर्ट वीडियो/रील प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा किसी भी भारतीय भाषा में 30 से 60 सेकंड की अवधि का वीडियो तैयार कर माय भारत पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। अपलोड किए जाने वाले वीडियो की अधिकतम साइज 25 एमबी निर्धारित की गई है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागी अपने गांव के विकास, रोजगार सृजन तथा आजीविका संवर्धन में अधिनियम की भूमिका को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत कर सकते है। चयनित प्रतिभागियों को ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त लोगो डिजाइन प्रतियोगिता के माध्यम से देश के नागरिकों को रचनात्मक एवं नवाचारपूर्ण डिजाइन प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। चयनित सर्वश्रेष्ठ लोगो को अधिनियम का आधिकारिक लोगो बनाया जाएगा, जिसका उपयोग भविष्य में प्रचार-प्रसार तथा अन्य गतिविधियों में किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ लोगो डिजाइन करने वाले विजेता को ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 50,000 रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 7 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। अतः जिले के सभी युवाओं से अनुरोध है कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

दीव पुलिस ने मैराथन का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 मार्च। दीव पुलिस विभाग ने राष्ट्रीय एकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से दीव जिले में एक मैराथन का सफल आयोजन किया। इस इवेंट में पुलिस कर्मियों, होमगाड्र्स, आईआरबीएन और फायर विभाग ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। मैराथन आईएनएस खुकरी वेसल से शुरू हुई और आईएनएस खुकरी मेमोरियल पर खत्म हुई। दीव पुलिस और आईआरबीएन के सीनियर अधिकारी इवेंट के दौरान मौजूद रहे और सभी प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया। यह पहल दीव पुलिस का फोर्स और जनता के बीच एकता, अनुशासन और जागरूकता बढ़ाने की कटिबद्धता दिखाती है।

संघ प्रदेश दादरा एवम नगर हवेली और दमण एवम दीव प्रशासन/
U.T. ADMINISTRATION OF DADRA AND NAGAR HAVELI AND DAMAN AND DIU,
समाहर्ताकार्यालय, दीव/ OFFICE OF THE COLLECTOR, DIU.
Email: collector-diu-dd@nic.in
Phone:02875-252111

No.COL/DIU/GEN/2025-26/3276 Dated :-23/03/2026.

PUBLIC NOTICE

Whereas, Diu Administration is in the process of creating a museum which will highlight History of Diu from ancient to modern times by showcasing historical objects, local stories and memoirs of different people.

Hence, all the people including resident of Diu and Outsiders are hereby invited that if they wish to contribute any object or wish to share some stories/narratives which they wish to be highlighted in the museum of Diu can approach the Office of the Collector, Diu everyday for the next 10 days between 4.30 p.m. to 5.30 p.m. or alternatively can share their narratives/stories in the Whatsapp Nos.8866600180, 9624005555 and email id collector-diu-dd@nic.in

Sd/-
(RAHUL DEV BOORA)
COLLECTOR, DIU.

सिलवासा में केसीएए सारीथॉन का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 मार्च। सिलवासा में सोनिया तंवर और स्वरूप शाह एवं उनकी टीम द्वारा केसीएए सारीथॉन मैराथन का आयोजन किया गया था। जिसमें वापी की मैराथन गर्ल माधुरी प्रसाद ने 3 किमी की कैटेगरी में हिस्सा लिया और प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दुनेठा के गोल्डन पार्क सोसायटी में चैत्र नवरात्रि पर नव दुर्गा के नव स्वरूप का हुआ दर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दमण 23 मार्च।
दुनेठा के गोल्डन पार्क सोसायटी में पूरे वर्ष सभी धार्मिक एवं सामाजिक त्यौहार धूमधाम से मनाये जाते है। जिसमें सोसायटी में रहने वाले सभी लोग शामिल होते है। ऐसा ही एक अलौकिक दृष्य देखने को मिला, जहां बिल्डिंग के ही बच्चों ने माँ दुर्गा के नव स्वरूप का दर्शन दिया। वहीं पाठक परिवार के दो बच्चे अभियुक्त, अभियांस जो 3 साल और 5 साल के हैं, उन्होंने श्री राम और लक्ष्मण जी के बाल रूप का दर्शन कराया। वहीं अनुज अशोक सिंह ने हनुमान जी के रूप में नजर आये। नानाभाई के श्री हरि भजन मंडली द्वारा राम नाम के भजन पर पूरे गोल्डन पार्क को मंत्र मुग्ध कर दिया। माता जी के नव रूप में वेदिका, पूर्वी, शानवि, जानवि, पारु, परि, कृषा, दित्या, दृष्टि ने नव रूप का दर्शन कराया। उनके सहयोगी आर्यन, पृथ्वी, दक्ष, पार्थ, कृसु ने पंडित जी, राक्षस महिषासुर के रूप में अपनी-अपनी भूमिका निभाई।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)